तापमान
अधिकतम 32.6 डिग्री
न्यूनतम 22.6 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, रविवार, 3 नवंबर 2024

10 निर्वाण दिवस पर महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती किए गए याद

11 दिवाली मिलन में दीए सजाओ स्पर्धा, विजेता हुए सम्मानित

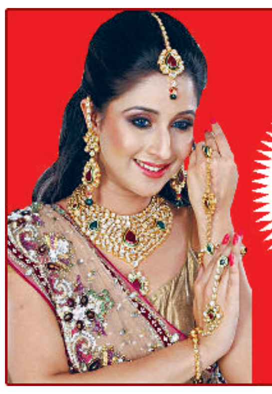
न्यु ओम ज्वेलर्स
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
▪ मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें ▪ जितना सोना उतना चांदी फ्री
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने से युवक की मौत

भिलाई। हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।मिली जानकारी के मुताबिक वृंदा नगर निवासी दीपक देशमुख दीपावली के दिन अपने घर की छत पर झालर लगा रहा था। तभी घर के ऊपर से गुजर रही एक हाई टेंशन लाइन की चपेट में आ गया। घटना में गंभीर रुप से घायल दीपक को परिजनों ने निजी अस्पताल में उपचार के लिए लेकर गए लेकिन जहां दीपक ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि जब दीपक झालर लगा रहा था तभी उसका हाथ हाईटेंशन लाइन से टच हो गया। चपेट में आने से दीपक दूर फेका गया। शव को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल सुपेला के मरचूरी में पीएम के लिए रखा गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। वैशाली नगर पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

शराब पीने पैसा नहीं देने पर मारपीट, गिरफ्तार

भिलाई। शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने को लेकर मारपीट करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि शिवाजी चौक चरोदा निवासी राजेश यादव 28 अक्टूबर की रात संजय पटले, संजय आचार्य, राहुल राय के साथ टहल रहा था। इस दौरान रात 9.30 बजे भूतनाथ मंदिर दादर रोड चरोदा के पास पहुंचे। जहां विकास सिंह उर्फ विक्की बाइक में पहुचा और पीड़ित को देख शराब पीने के लिए रुपए का डिमांड करने लगा।

पिछले साल 110 मेगावाट बिजली की खपत की थी इस बार 125 मेगावाट

इस दिवाली ट्विनसिटी के लोगों ने 21 प्रतिशत ज्यादा जलाई बिजली

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

दिवाली पर्व पर ट्विनसिटी जमकर रौशन हुई। लोगों के घर और मार्केट विभिन्न प्रकार के झालरों से खूब जगमगाए। जिसकी वजह से बिजली की खपत भी बढ़ गई। इस दिवाली पर लोगों ने पिछले साल की अपेक्षा 21 फीसदी बिजली ज्यादा जलाई। पिछले साल याने वर्ष 2023 की दिवाली में शहर के उपभोक्ताओं ने 110 मेगावॉट बिजली जलाई थी। इस बार बिजली की खपत 125 मेगावॉट की रही।

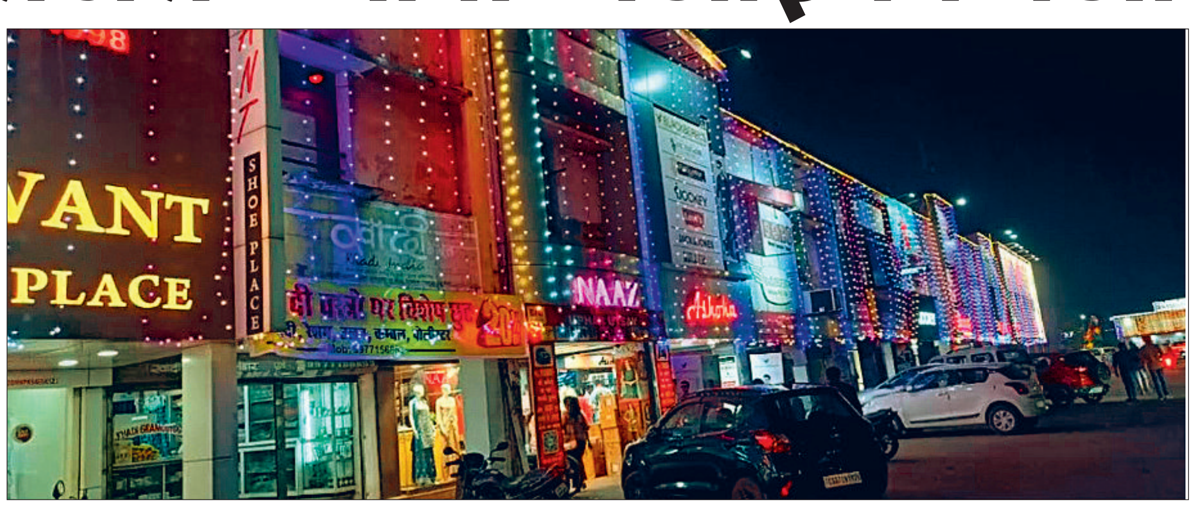

दुर्ग सर्किल में त्यौहार पर 322 मेगावॉट बिजली जली

शहरी क्षेत्र की अपेक्षा दिवाली पर ग्रामीणों ने त्यौहार में कम बिजली जलाई। दुर्ग सर्किल के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में त्यौहार पर 197 मेगावॉट बिजली की खपत हुई है। आम दिनों में भी बिजली का लोड इसी तरह रहता है। पिछले साल यानी वर्ष 2023 में भी यही स्थिति थी। जिसकी वजह से इस त्योहार में बिजली की कुल खपत दुर्ग सर्किल में कुल 322 मेगावॉट की हुई।

फ्यूल कॉल व बिजली बंद की शिकायतें हुई आधी

इस दिवाली पर विद्युत वितरण कंपंनी ने बड़ी राहत की सांस ली है। दिवाली पर आमतौर पर बिजली बंद होने या लोड बढ़ने से फीडर ट्रिप होने की शिकायतें आती है। इस बार शिकायतें आधी आई। विभागीय जानकारी के मुताबिक दुर्ग सर्किल में फ्यूल कॉल की केवल 40 शिकायतें ही हुई है। पिछली दिवाली में केवल फ्यूल कॉल की ही समस्या 100 तक जा पहुंची थी।

केवल दो मिनट के लिए हुआ ट्रिपिंग

विद्युत वितरण कंपंनी ने इस दिवाली पर मुस्तैदी से काम लिया। नतीजा केवल दो मिनट के लिए केवल एक क्षेत्र में लोड बढ़ने की वजह से बिजली ट्रिप हुई। उसके बाद पूरी रात कोई समस्या नहीं आई। विभाग के लिए लोड बढ़ना और उसे मेंटन करना एक बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती पर विभाग खरा उतरा।

इस रणनीति की वजह से मिली सफलता

विद्युत वितरण कंपंनी द्वारा त्यौहारी सीजन में लोड न बढ़े इसके लिए लोड का बंटवारा किया गया था। यह रणनीति बना ली गई थी कि यदि एक क्षेत्र का लोड बढ़ता है तो कम लोड वाले क्षेत्र से कनेक्शन जोड़कर उसे मेंटन कर लिया जाए। इसी तरह सब स्टेशनों में फीडरों की पूरे समय निगरानी करवाई गई। जिसके लिए तकनीकी विशेषज्ञ यानी इंजीनियरों को भी तैनात किया गया था। फ्यूज कॉल को तत्काल अटेंड करने के लिए कर्मियों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया था। शिकायत मिलने पर उस क्षेत्र के कर्मी को सूचना का आदान-प्रदान कर सुधार कार्य को अंजाम दिए।

उद्योग और कृषि पंप नहीं चले

बिजली का ज्यादातर लोड बढ़ने की वजह औद्योगिक और कृषि पंप कनेक्शन हैं। त्यौहार पर उद्योग-धंधे बंद रहे। कृषि पंप भी नहीं चले। अकेले दुर्ग सर्किल में ही करीब 2600 कृषि पंप है। एक साथ चलने से लोड काफी बढ़ जाता है। यह समस्या सामने नहीं आई। जिसकी वजह से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बिजली लोड पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ा।

21 प्रतिशत बिजली ज्यादा जली

शहरी क्षेत्र लोगों ने इस दिवाली पर 21 प्रतिशत अधिक बिजली जलाई। ग्रामीण क्षेत्र सामान्य रहा। उद्योग और कृषि पंप नहीं चलने से लोड मेंटेन हो गया।

एम जामुलकर, ई, विद्युत वितरण कंपंनी

भट्ठी पुलिस थाना क्षेत्र की है घटना

क्वार्टर में शार्ट सर्किट पांच वाहनों में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

बीएसपी क्वाटर में अचानक आग लगने से पांच वाहन जलकर खाक होने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर दमकल वाहन पहुचा। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि वाहनों में आग लगने का कारण शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर 2, सड़क नंबर 16 के ब्लॉक 62 जीएच में आग लगने से पांच वाहन आग के चपेट में आ गए। जबतक दमकल वाहन मौके पर पहुचती वाहन बुरी तरह जल चुके थे। ब्लॉक में सभी लोग सुरक्षित मकान के बाहर निकल चुके थे। लेकिन ब्लॉक के ऊपर के मंजिल वाले घर में मुन्नी देवी नामक महिला और उनकी दो बेटियां फंस गई थीं। जिन्हें रेस्क्यू कर एक घंटे के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। लोगों का संदेह है कि असामाजिक तत्वों द्वारा वाहनों में आग लगाकर फरार हो गए होंगे। लेकिन पुलिस जांच के बाद ही आग लगने का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

▪ बीएसपी के दमकल वाहन ने बुझाई , वाहन हुए राख

गहरी नींद पर थे सभी

क्वाटर में जब आग लग लगई थी सभी गहरी नींद में सोए हुए थे। जब सुबह मकान के सामने से कुछ बीएसपी कर्मी ड्यूटी जाने के लिए निकले तब ब्लॉक में खड़ी वाहनों में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद उनमें से एक ने आसपास रहने वाले लोगों को इसकी सुचना दी। मीटर बोर्ड में शार्ट सर्किट से आग लगने का संदाह जताया जा रहा है। वहां के रहने वाले सभी लोग वहीं सीढ़ी के पास ही अपनी बाइक और स्कूटी को खड़ा कर रखे हुए थे। इस कारण आग आसानी से वाहनों में लग गई और बड़ा रूप ले ली।

पटाखे की चिंगारी से स्कूटी में आग

जवाहर मार्केट में खड़ी स्कूटी में पटाखे की चिंगारी से आग लग गई। आग पेट्रोल टंकी के ठीक पास लगी। स्कूटी के पास अन्य वाहन भी खड़े थे। आग फैलने का खतरा बढ़ रहा था। स्कूटी में आग लगते देख मार्केट में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान ट्रैफिक थाने में पदस्थ एसआई ने हिम्मत दिखाते हुए जलती हुई स्कूटी को भीड़ से दूर लेकर गया। एसआई का पीछा करते हुए कुछ दुकानदार आग बुझाने वाले सिलेंडर लेकर वहां पहुंचे। स्कूटी को भीड़ से दूर ले जाकर उसकी आग बुझाई गई।

सुपेला थाना क्षेत्र की है घटना

जेल से छूटकर आए युवक की सुपेला में हत्या, आरोपी फरार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

जेल से छूटकर आए युवक की चाकू मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है।

घटना सुपेला थाना क्षेत्र की है। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि गौतम नगर सुपेला निवासी धीरज कुमार महानंद उर्फ टकला का घटना के एक घंटा पहले सुपेला तालाब के पास एक युवक से इसका विवाद हुआ था। उसके बाद लक्ष्मी नगर मार्केट कचरा घर के पास आपस में बैठकर आरोपियों के साथ बातचीत चल रहा था। इस दौरान आपस में धीरज का विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने चाकू निकाल कर धीरज को घोंप दिया। गंभीर अवस्था में उसे अस्पताल पहुचाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए है। सुपेला पुलिस आरोपियों को खोज तक नहीं कर पाई है। सीएसपी तिवारी ने बताया कि धीरज का सुपेला थाना क्षेत्र में कोई मामला दर्ज नहीं है लेकिन बिलासपुर स्थित सरकंडा में हत्या के एक मामले में हाल ही में जेल से छूटकर आया था। विवाद की शिकायत पर पुलिस धीरज की तलाश कर रही थी। शव को पुलिस ने पीएम के लिए शास्त्री अस्पताल सुपेला के मरचूरी में रखवा दिया है।पुलिस सीसी कैमरों के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

▪ हाल ही में जेल से छूटकर आया था युवक

▪ सुपेला थाना क्षेत्र में बढ़ने लगा है अपराधों का ग्राफ

बेखौफ तरीके से चला जुआ

दिवाली की रात कोतवाली दुर्ग थाना क्षेत्र में चला जमकर जुआ

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

दीपावली की रात दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र में जमकर जुआ का कारोबार चलता रहा है। लेकिन जिसे बंद कराने वाली कोतवाली पुलिस भी मूकदर्शक बनी रही। मानों जुआरियों को कोतवाली दुर्ग का संरक्षण मिला है।

मिली जानकारी के मुताबिक दुर्ग कोतवाली थाना एरिया में कई होटल और पाश क्षेत्र में रात के अंधेरे में जुआ बेखौफ तरीके से चल रहा था। जिसे रोकने वाली पुलिस की सेटिंग के चलते जुआरियों का पौ-बारह हो गया।

दीपावली की रात दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र में दूसरे जिले से जुआरी रात को पहुचे थे। इसकी जानकारी होने के बाद भी कोतवाली पुलिस सिर्फ खानापूर्ति का काम किया है। यहां दीपावली को देखते हुए कुछ होटल, सूने मकानों में लगातार जुआ चल रहा था। बताया जा रहा है कि कोतवाली पुलिस की सेटिंग के चलते ही जुआ का अवैध कारोबार यहां चलता रहा है। बकायदा होटसल और सुनसान क्षेत्र में जुआरियों ने अपने पाइंटरों को बाहर खडा कर रखा था। जिसकी जानकारी कोतवाली पुलिस तक को थी। फिर भी पुलिस कुछ नहीं कर पाई। इस तरह कोतवाली पुलिस की कार्यप्रणाली चल रही है। इसके अलावा सट्टा का भी कारोबार लंबे अर्से से उक्त थाना क्षेत्र में जारी है।

▪ कई होटल और पॉश कॉलोनियों में चलता रहा जुआ

दुर्ग-अमृतसर-दुर्ग के मध्य दो फेरे के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

अधिकाधिक यात्रियों को मिलेगी कंफ़र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा

रेलवे प्रशासन द्वारा त्यौहारों के दौरान यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्रियों को कंफ़र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु दुर्ग-अमृतसर-दुर्ग के मध्य दो फेरे के लिये फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है । गाड़ी संख्या 08795/08796 दुर्ग-अमृतसर-दुर्ग, फेस्टिवल स्पेशल, दुर्ग से 7 एवं 10 नवंबर 2024 को तथा अमृतसर से 9 एवं 12 नवंबर 2024 को दो फेरे के लिए चलेगी । यह गाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर एवं शहडोल स्टेशनों में ठहरेगी। 08795 दुर्ग-अमृतसर फेस्टिवल स्पेशल दुर्ग से 11.10 बजे रवाना होगी तथा रायपुर 11.45 बजे, उस्लापुर 14.05 बजे, पेंड्रारोड 15.42 बजे, अनूपपुर 16.25 बजे, शहडोल 17.12 बजे, कटनी मुड़वारा 21.05 बजे, दमोह 22.45 बजे, सागर 23.45 बजे, दूसरे दिन बीना मालखेड़ी 01.08 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई 05.05 बजे, ग्वालियर 07.28 बजे, आगरा केंट 09.38 बजे, दिल्ली सफदरगंज 14.25 बजे, अंबाला केंट 18.05 बजे, ढंडारी कला 19.42 बजे, जालंधर 22.00 बजे होते हुए 00.05 बजे अमृतसर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार 08796 अमृतसर-दुर्ग फेस्टिवल स्पेशल अमृतसर से 01.50 बजे रवाना होगी तथा जालंधर 02.55 बजे, ढंडारी कला 04.15 बजे, अंबाला केंट 05.55 बजे, दिल्ली सफदरगंज 10.18 बजे, आगरा केंट 14.58 बजे, ग्वालियर 17.28 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई 20.35 बजे, दूसरे दिन बीना मालखेड़ी 00.08 बजे, सागर 01.15 बजे, दमोह 02.20 बजे, कटनी मुड़वारा 04.05 बजे, शहडोल 06.40 बजे, अनूपपुर 07.25 बजे, पेंड्रारोड 08.10 बजे, उस्लापुर 10.35 बजे, रायपुर 12.55 बजे होते हुए 14.05 बजे दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी ।

भिलाई निगम में मना छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

सैकड़ों दीप जलाकर राज्य स्थापना दिवस की मनाई खुशी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

नगर निगम भिलाई में छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया । कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के द्वारा आदेशित किया गया था कि राज्य स्थापना दिवस दीपोत्सव के माध्यम से मनाया जाए।

आयुक्त बजरंग दुबे द्वारा सभी अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि हमारे छत्तीसगढ़ हमारे लिए बड़े खुशी की बात है कि हमारा राज्य 1 नवंबर को हम सब लोग राज्य का स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसी खुशी में नगर नगर निगम भिलाई के सभी जोन कार्यालय एवं मुख्य कार्यालय में सुंदर लाइटिंग किया जाए। दीप उत्सव के माध्यम से दीप प्रज्वलित किए जाएं। 1 नवंबर को संध्या 6 बजे निगम के मुख्य कार्यालय में सब एकत्रित हुए। दीपक सजाया गया।

निगम भिलाई के जनप्रतिनिधि वरिष्ठ पार्षद एवं अध्यक्ष महेश वर्मा ने कहा कि बड़े गर्व की बात है। आज हम सब लोग स्थापना दिवस मना रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का हम सब बहुत आभारी हैं। जो छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के सूत्रधार रहे। ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हमारा छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के मार्ग पर चले।

इस मौके पर पार्षद विनोद सिंह, संतोष मौर्या अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जनसंपर्क अधिकारी अजय शुक्ला, जोन के स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, अनिल मिश्रा, हेमंत माझी, वीरेंद्र बंजारे, आजीविका मिशन के मैनेजर अमन पटले, एवं महिला वर्ग से आजीविका मिशन के सीईओ को एवं सहायिका उपस्थित रहे। सभी लोगों ने दीपक जलाया। राजकीय गीत अरपा पैरी का धार गाया। लोगों को मिठाई वितरित किया गया।

श्रीशिव महापुराण कथा 4 से

अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के ग्राम अंडा मिलपारा मोहल्लावासी एवं समस्त ग्रामवासी अंडा के तत्वावधान में श्री शिव महापुराण कथा 4 नवंबर से रखा गया हैं। प्रवचनकर्ता भगवताचार्य बालव्यास पं. सौरभ शर्मा अरमरीकला वाले महाराज का होगा। प्रतिदिन सुबह 9 बजे पार्थिव शिवलिंग पूजा, कथा क्रम उत्सव दोपहर 1 बजे से, शिव इच्छा तक 4 नवम्बर, सोमवार कलश यात्रा, शिवमहापुराण महात्म, चंचुला कथा, 5 नवम्बर नारद मोह, कुबेर पूर्ण चरित्र, शिवलिंग, 6 नवम्बर सृष्टि वर्णन, अर्धनारीश्वर कथा आयोजित है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
7987328736, 7489348301

खबर संक्षेप

लाभ प्राप्त करने के लिए एनएफडीपी पर पंजीकरण अनिवार्य

दुर्ग। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि सह योजना के तहत विभिन्न घटकों का लाभ प्राप्त करने कि लिए एनएफडीपी पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। उप संचालक मछली पालन ने बताया कि एनएफडीपी का मुख्य उद्देश्य सभी मत्स्य पालक, मत्स्य पालन समूहों एवं मत्स्य समितियों के लिये कार्य आधारित पहचान के डाटाबेस का निर्माण कर उसके माध्यम से भारतीय मत्स्य पालन को औपचारिक रूप देना है। उन्होंने बताया कि भविष्य में योजना के तहत मत्स्य पालन अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं के लाभ प्राप्त करने के लिए पंजीयन अनिवार्य होगा। उक्त कार्य अंतर्गत मछली पालन, मत्स्याखेट व मछली बेचने के व्यवसाय के जुड़े सभी लोगों का पंजीयन च्वाईस सेंटर के माध्यम से किया जा सकता है। यदि परिवार के सभी सदस्य मछली पालन कार्य में संलग्न है तो सभी सदस्य का पंजीयन व्यक्तिगत रूप से किया जाएगा। पंजीयन के बाद मत्स्य विभाग के सत्यापन और उनके बैंक खाते में 80 रूपये शासन की ओर से प्राप्त होंगें तथा कामन सर्विस सेंटर, च्वाईस सेंटर को उनके प्रत्येक एंट्री पर 18 रूपये कमीशन के रूप में प्राप्त होगा। पंजीयन के लिए मत्स्य कृषकों को अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा आधार लिंक मोबाईल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी अनिवार्य होगा। पंजीयन पश्चात प्रारंभ में अस्थायी प्रमाण पत्र प्राप्त होगा तथा कृषकों का मत्स्य विभाग से सत्यापन पश्चात स्थायी प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। उप संचालक मत्स्य पालन ने मछली पालन से जुड़े सभी कृषकों से अधिक से अधिक पंजीयन कराने की अपील की है।

राज्योत्सव में वन मंत्री केदार होंगे मुख्य अतिथि

दुर्ग। राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में 5 नवंबर 2024 को पुराना गंजमंडी गंजपारामें राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

सैक्सोफोन दिवस पर संगीतमय संध्या 6 को

दुर्ग। छत्तीसगढ़ मंच दुर्ग के बैनर तले आगामी 6 नवंबर दिन बुधवार को विश्व सैक्सोफोन दिवस के उपलक्ष्य में यश यदु म्यूजिशियन ग्रुप द्वारा लाइव बैंड पर साज की आवाज एवं संगीतमय संध्या का आयोजन पुराना बस स्टैंड में संध्या 5.30 बजे से रखा गया है। मंच के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी उपाध्यक्ष दिनेश जैन, कोषाध्यक्ष गुलाब चौहान ने बताया कि दुर्ग शहर में पहली बार सैक्सोफोन पर आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम साज की आवाज में छत्तीसगढ़ के स्टार सेक्सोफोनिस्ट अनिल केमें, प्रमोद केमें, गोंदिया महाराष्ट्र के सेक्सोफोनिस्ट परेश लोखंडे एवं बालाघाट मध्यप्रदेश के सैक्सोफोनिष्ट राजन वंशकार द्वारा सैक्सोफोन पर संगीतमय गीतों की लाजवाब प्रस्तुति दी जाएगी। उक्त कार्यक्रम के दौरान संगीतमय संध्या में छत्तीसगढ़ के चुनिंदा गायक कलाकार द्वारा प्रस्तुति भी दी जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संरक्षक दाऊ चंद्रिकदत्त चंद्राकर, रमन सिंह, सदस्य ललित वर्मा, अजय झग्गर साहू, त्रिलोक सोनी, युनुस चौहान, अनिल शर्मा, संजय खंडेलवाल, हरीश सोनी एवं अन्य लोग सक्रियता से लगे हुए हैं।

घायल को आर्थिक सहायता स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्घटना में घायल को 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएमसी 16 पुराना शिव मंदिर कॉलोनी वैशाली नगर सुपेला भिलाई तहसील एवं जिला दुर्ग निवासी शुभम जैन आत्मज सुभाष चंद जैन की विगत 07 दिसंबर 2022 को ष्टक्कर मारो और भाग जाओ मोटर दुर्घटना होने से घोर उपहति होने की पुष्टि की गई। घायल के प्रतिकर के रूप में कलेक्टर द्वारा शुभम जैन को 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

गौरा-गौरी चबूतरा लोकार्पित, फुल कुचरन की भी हुई शुरुआत

पार्षद निधि से निर्मित चबूतरा किया लोकार्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

गया नगर वार्ड 4 के राजीव नगर में वार्ड पार्षद श्रीमती लीना देवांगन के पार्षद निधि से राजीव नगर में नव निर्मित गौरा गौरी शिव चबूतरा का लोकार्पण धनतेरस के पावन पर्व पर पूर्व सभापति दिनेश देवांगन सहित गौरा गौरी उत्सव समिति के सदस्यों मोहल्लेवासियों की उपस्थिति में किया गया। दीपावली के पावन पर्व महालक्ष्मी पूजन के दूसरे दिवस गोवर्धन पूजा के दिन निकाली जानी वाली भगवान शिव व माता पार्वती की गौरा गौरी स्वरूप की शोभा यात्रा के लिए मुहल्ले वासियों द्वारा वार्ड पार्षद से गौरा चौरा चबूतरा बनाने की मांग की थी। जिस पर पार्षद ने पार्षद निधि से उक्त चबूतरा का निर्माण कराई है जिसका धनतेरस के शुभ अवसर पर गौरा गौरी पूजन फूल कुचरन रश्म की शुरुवात के साथ लोकार्पण किया गया।

इस अवसर निगम के पूर्व सभापति दिनेश देवांगन ने मुहल्ले वासियों को दीप पर्व की बधाई दी। पार्षद लीना देवांगन ने कहा जनता के इच्छा के अनुरूप रोड नाली बिजली पानी जैसे मूलभूत आवशकताओं को पूरा करने के साथ साथ धार्मिक व सांस्कृतिक पहचान के लिए भी निर्माण कार्य किए जा रहे है आने वाले दिनों में और बड़े कार्य होंगे। इस अवसर गौरा गौरी समिति के अध्यक्ष पिंटू बंछोर मंजूषा तिवारी, त्रिलोक नेताम, चिंटू यादव, अशोक यादव, गोलू ठाकुर, लल्ला ठाकुर, पिंकी ठाकुर, गंगदेव साहू, संतोष मानिकपुरी, राधा चंद्राकर, सुनीता देवांगन, रामप्यारी गुप्ता, मंजू चंद्राकर, चंचल तिवारी, सुनीता ठाकुर, संगीता गोड़, मन्नी गौड़, फेकन यादव रेखा ठाकुर, धनेश्वरी यादव सहित बड़ी संख्या में मुहल्ले वासी मौजूद थे।

गिरदावरी के बाद जाँच में जुटा जिला प्रशासन

पंजीयन के पहले बारीकी से हो रही रकबा की पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

सोशल मीडिया के जरिए अफसर को मैसेज, 31 अक्टूबर के पहले करना था भौतिक सत्यापन

खरीफ सीजन 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने के पहले राज्य शासन द्वारा रकबा पंजीयन की जानकारी जूटानी शुरू कर दी है। ऐसा पहली बार हो रहा है कि, गिरदावरी के बाद अफसर किसानों के पंजीयन का भौतिक सत्यापन करेंगे। शासन के इस निर्देश के बाद दीपावली पर्व के बीच करीब 90 फीसदी रकबे का भौतिक सत्यापन भी कर लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि, राज्य शासन द्वारा धान खरीदी के लिए 31 अक्टूबर तक अंतिम तिथि तय की गई थी। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार राज्य शासन द्वारा मौखिक तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि, गिरदावरी के बाद सामने आए आंकड़ों का भौतिक सत्यापन किया जाए। इस निर्देश की माने तो पटवारी हल्का अनुसार पंजीकृत आंकड़े की 10 फीसदी रकबे का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। जिला प्रशासन के राजस्व महकमा द्वारा गिरदावरी का कार्य कड़ाई से की गई है। जिसमे किसानों द्वारा बोए गए फसलों की पड़ताल और सड़क मकान वह मेड व खेती जमीन पर बने चबूतरे तक की भी जाँच की गईं। राज्य शासन द्वारा आगामी 14 नवंबर को समर्थन मूल्य प्रदान कर दी की जाएगी। इसीलिए प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। धान खरीदने के लिए उपार्जन केदो में बारदाना आने का सिलसिला भी शुरू हो गया है। इस बार यह स्पष्ट कर दिया गया है कि, जितने रकबे में किसानों ने धान की खेती की होगी, उतना धान ही वे बेच पाएंगे। यदि किसी किसान ने खेती भूमि में निर्माण कराया है तो उतना रकबा कटौती किया जाएगा।

जिले में 2 हजार हेक्टेयर में बढ़ोतरी

प्रदेश में प्रति क्विंटल किसानों को मिलने वाले 3100 रुपए भुगतान का असर भी दिखाई दे रहा है। गिरदावरी के सर्वे में जो बात सामने आई है, उसके अनुसार इस बार धान का रकबा जिले में 2 हजार हेक्टेयर की बढ़ोतरी हुई है, पिछली बार यहां आंकड़ा 1 लाख 10 हजार था, जो इस बार बढ़कर एक लाख 12 हजार हेक्टेयर हो गया है। इससे स्पष्ट है कि, खरीफ सीजन के लिए धान की खेती ही किसानों की पसंद बन गई है। भले ही सरकार कितनी भी कोशिशें अन्य फसल को बढ़ावा देने के लिए कर रही हो, लेकिन किसान धान की फसल पर ही अपना विश्वास जता रहे हैं।

भुंईया से सिस्टम कनेक्ट

सोसाइटियों में पंजीयन किए जाने के बाद इस सॉफ्टवेयर को सिस्टम से जोड़ा गया है, जिसे वर्तमान में जमीन मालिकों की जानकारी आसानी से मिल जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार खेतों के बीच कम से कम 100 वर्गफीट या उससे अधिक जमीन पर यदि निर्माण कराया जाता है तो उस रकबे में कटौती की जाएगी। ऐसे ही खेत में दस फीट चौड़ी सड़क का निर्माण करने पर गिरदावरी में जमीन कटौती की जाएगी। खेतों में मेड़ वाले हिस्सों को भी रकबे में नहीं जोड़ा जाएगा, जितने इलाकों में फसल ली जाएगी, उनका ही गिरदावरी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

64 लाख क्विंटल का टारगेट

दुर्ग जिले में इस बार समर्थन मूल्य प्रदान खरीदी के लिए राज्य शासन द्वारा टारगेट निर्धारित कर दिया गया है। पिछली बार 58 लाख क्विंटल निर्धारित किया गया था, लेकिन इस बार गिरदावरी और पंजीयन से मिले आंकड़ों के अनुसार रकबा बढ़ने के कारण 64 लाख क्विंटल कर दिया गया है। हालांकि यह टारगेट खान खरीदी की तैयारी के लिए आधार होता है। विगत कई सालों में दान करने का टारगेट आवक के चलते टूटा भी है। किसने की माने तो इस बार फसल अच्छा होने के कारण उत्पादन में भी ज्यादा होगा। ऐसे में इस बार भी धान की बंपर आवक होगी।

पर्व में सोने और चांदी के भाव ने तोड़ी कमर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

इस साल सोना और चांदी ने ऐसी रफ्तार पकड़ी है, जैसी पहली कभी नहीं पकड़ी थी। इतिहास में पहली बार चांदी की कीमत एक लाख के पार हो गई है। इसी के साथ सोना अब 80 हजार से पार होकर 82 हजार के करीब पहुंच गया है। धनतेरस से पहले सोना 81 हजार था, दिवाली में सोने की डिमांड ने ऐसा जोर पकड़ कि, कीमत 82 हजार तक पहुंच गया। सोने के महंगे होने के चलते जहां मध्य वर्ग की कमर टूटी रही, वही इसकी खरीदी आम आदमी की पहुँचे से दूर हो गई है।

- सोना अब 80 हजार व चांदी एक लाख से पार

इस बार धनतेरस में ग्राहकों को सोना खरीदने के लिए बीते साल से 18 हजार रुपए दस ग्राम पर ज्यादा देने पड़ रहे है। बीते साल धनतेरस पर सोना 63 हजार रुपए था। इसके और पहले 2022 की बात करें तो यानी दो साल में कीमत में 31 हजार का इजाफा हुआ है। इसी के साथ इस बार चांदी की कीमत में भी आग लगी है। चांदी भी धनतेरस से पहले एक लाख हो गई थी। सोने और चांदी की कीमत रोज बदल रही है। इस बार कीमत में कुछ ज्यादा ही इजाफा हो रहा है।

महंगे सोने के बीच गुलजार रहा बाजार

इस बार सोने की कीमत में ऐतिहासिक बढ़ोतरी होने के बाद भी ग्राहकी कम नहीं हुई। बल्कि इस बार पूर्व में लोगों ने बढ़ चढ़कर सोना खरीदा है। व्यापारियों की माने तो दुर्ग में ही इस बार पर्व में 500 करोड़ का कारोबार हुआ है, जिसमें ज्यादातर सराफा बाजार गरम रहा है। सराफा से जुड़े व्यापारियों की माने तो भले ही सोना के भाव बड़े हैं, लेकिन इसे खरीददार इन्वेस्ट के तौर पर देख रहे हैं। लगातार सोने की कीमत बढ़ने का ही कारण है कि, ग्राहक इन्वेस्ट के तौर पर इसकी खरीदारी कर रहे हैं।

स्थापना दिवस पर किया भावदीप प्रज्जवलित

दुर्ग। 1 नवंबर 2024 को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 24 वें वर्ष में शासन के निर्देशानुसार जिला पंचायत कार्यालय परिसर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बजरंग दुबे एवं जिला पंचायत सदस्य श्रीमती बेलचंदन द्वारा भावदीप प्रज्ज्वलित किया गया। उक्त कार्यक्रम में एनआरएलएम से जुड़ी स्व सहायता समूह की दीदियों और सभी अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता निभाई।

कोटनी में महिलाएं घर-घर सुआ नृत्य की दे रही प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण लोक नृत्य है। इसे मुख्य रूप से महिलाएं करती हैं। ग्राम कोटनी में महिलाएं घर-घर में सुआ नृत्य की प्रस्तुति दे रही हैं। यह दीपावली के समय विशेष रूप से प्रचलित है। सुआ नृत्य का महत्व कई कारणों से है संस्कृति का संरक्षण यह नृत्य आदिवासी परंपराओं और संस्कृति को जीवित रखने में मदद करता है। दीपावली के उत्सव के दौरान यह नृत्य खुशी, उल्लास और आनंद का प्रतीक है। इस प्रकार सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत का एक अनमोल हिस्सा है।

निर्वाण दिवस पर महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती किए गए याद

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

आर्य समाज मंदिर आर्य नगर दुर्ग में शारदीय नवसस्येष्टि दीपावली पर्व नई फसल की आहुति दे कर मनाया गया।मुख्य यजमान आर्य वीर दल सेक्टर 6 के अधिष्ठाता राज कुमार भल्ला रहे। यज्ञ के ब्रह्म आचार्य दिलीप रहे। इस अवसर पर आर्य समाज के पूर्व मंत्री नरेन्द्र आर्य ने युवाओं को कैरियर टिप्स दिए।

- आर्य समाज मंदिर में किया गया आयोजन

आर्य समाज के मंत्री मनोज आर्य ने अपने गुरुकुल जाने के अनुभव साझा किया।आर्य समाज के संस्थापक महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती को स्मरण किया क्योंकि स्वामी दयानन्द जी ने दीपावली के ही दिन अपना देह त्यागा था इसलिए इस दिन को स्वामी जी के निर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। जिसमे संजय आर्य प्रधान मनोज आर्य, मंत्री कृष्णमूर्ति आर्य, कोषाध्यक्ष साक्षी आर्या, कविता आर्या अंकित आर्य हिमांशु आर्य तुषार आर्य आनंद मिश्रा आशुतोष देशमुख किरण यादव, दामिनी आर्या, भोपेश साहू, कन्हैया लाल साहू, मनमोहन साहू, सतीष आर्य, जगबंधु शास्त्री, कोषाध्यक्ष आर्य प्रतिनिधि सभा, रजत देवांगन मुरली गढ़ेवाल, किशोर आर्य, गोपाल आर्य, इंद्र आर्य, रोशन आर्य, नितिन आर्य, भागवत तिवारी आदि उपस्थित रहे।

धूमधाम से की गई गौरी-गौरा की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

गौरी गौरा छत्तीसगढ़ में मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है। यह पर्व पारिवारिक सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए मनाया जाता है। गौरी और गौरा को शिव और पार्वती का रूप माना जाता है। इस त्योहार में महिलाएं विशेष रूप से पूजा-अर्चना करती हैं और मिट्टी के बर्तन में धान, अनाज और मिठाई भरकर पूजा करती हैं। शिव-पार्वती की पूजा गौरी और गौरा को शिव और पार्वती का रूप माना जाता है, इसलिए उनकी पूजा करने से आशीर्वाद मिलता है।

जिले में प्राथमिक सदस्यता के पुराने रिकॉर्ड टूटा

सक्रिय सदस्य बनने कार्यकर्ताओं में होड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

दुर्ग जिले में विगत 17 अक्टूबर से सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई है। इसके बाद दुर्ग जिले के सभी 13 मंडलों में भाजपा अध्यक्षों एवं सदस्यता सहयोगियों के माध्यम से सक्रिय सदस्य बनाने का काम जोर.शोर से चल रहा है।

- जो सक्रिय नहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में नहीं होगा अधिकृत

दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में गंजपारा सदर और चंडी शीतला मंडल के सक्रिय सदस्यता शिविर में कार्यकर्ता लगातार पंहुच रहे है मदन वाढई और विजय ताम्रकार के समक्ष

100 प्राथमिक सदस्यों की सूची देकर सक्रिय सदस्यता का आवेदन भर रहे हैं।रविवार और सोमवार को लगातार 8-8 घंटे तक जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा के निर्देशन में जिला पदाधिकारियों राजेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कौशिक, दिलीप साहू, आशीष निमजे की मदद से विशेष शिविर लगाकर सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया गया। दो दिनों में दोनों मंडल मिलाकर 62 कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सदस्यता का आवेदन भरा। सक्रिय सदस्यता के ऑनलाइन भुगतान के लिए आईटी सेल के कार्यकर्ताओं की टीम सक्रिय रही। जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि दुर्ग जिले में प्राथमिक सदस्यता के पुराने रिकॉर्ड 1 लाख 32 हजार 3 सौ को तोड़कर पार्टी ने 1 लाख 80 हजार का आंकड़ा पार कर लिया है। प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता अभियान में अभी 9 दिन का समय बाकी है। दुर्ग जिला भाजपा के इतिहास में पहली बार सक्रिय सदस्य बनने के लिए कार्यकर्ताओं में इतनी जबरदस्त होड़ लगी है। सक्रिय सदस्यता अभियान के जिला संयोजक राजेन्द्र कुमार पाध्ये ने कहा कि आने वाले समय में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पार्टी के बैनर से चुनाव लड़ने के इच्छुक संबंधित कार्यकर्ता का सक्रिय सदस्य होना संगठन ने अनिवार्य किया है इसलिए जो भी व्यक्ति पार्टी का सक्रिय सदस्य नहीं होगा उसके नाम पर विचार ही नहीं होगा। सक्रिय सदस्य बनने के लिए 100 लोगों को पार्टी का प्राथमिक सदस्य बनाना अनिवार्य है।

विधायक ने की छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा, दी राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। विधायक कसारीडीह शीतला मंदिर के पास कार्यकर्त्ताओं के साथ पहुँचे और छत्तीसगढ़ महतारी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किए और कहा की छत्तीसगढ़ महतारी के कोरा में जन्म लेना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। समृद्ध संस्कृति व खनिज संपदा से संपन्न हमारा प्रदेश निरंतर प्रगति करे इसकी कामना किये। 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ राज्य के सृजन दिवस पर विधायक गजेंद्र यादव ने प्रदेशवासियों राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

उन्होंने कहा की सांस्कृतिक विरासत लोक परंपरा और जनजातीय संस्कृति के अद्भुत संगम से सजा हमारा छत्तीसगढ़ विकास के राह पर अग्रसर है। उन्होंने यह भी कहा कि 25 साल के सफर में हमारा राज्य काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

खबर संक्षेप

ढौर में धूमधाम से मना दीपावली पर्व, जुटे ग्रामीण

सेलूद। गांव ढौर में बड़े ही उत्साह के साथ दीपावली का त्यौहार मनाया गया। जिसमें गौरी-गौरा का बड़े उत्साह के साथ पूजा पाठ करके अंचल में भ्रमण करते हुए तालाब में विसर्जन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से चंद्रप्रकाश ठाकुर लेखराम ठाकुर बसंत ठाकुर सक्रिय भूमिका निभाते हुए गांव में बड़े ही उत्साह के साथ पारंपरिक वेशभूषा पहनकर गौरी गौरा का उत्साह पूर्वक कार्यक्रम किया गया।

आज मातर महोत्सव

अंडा। ग्राम तिरगा में 3 नवंबर को मातर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ी लोककला सांस्कृतिक संस्थान धरती के श्रृंगार ग्राम भोथीपार कला जिला राजनांदगांव का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी ग्राम सरपंच घसिया राम देशमुख ने दी।

पीएनबी के लाकर से सोना गायब, जांच में जुटी पुलिस

भिलाई। पंजाब नेशनल बैंक के लॉकर से सोना गायब होने का मामला सामने आया है। इसे लेकर लॉकर धारक ने बैंक में जमकर हंगामा मचाया। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि सिविक सेंटर स्थित पंजाब नेशनल बैंक में हंगामा को लेकर सूचना मिली थी।मौके पर पीएनबी बैंक पुलिस पहुची जहां एक लाकर धारक जमकर हंगामा कर रहा था। उसका आरोप था कि उसके लॉकर से सोना चोरी हो गया। पुलिस ने पीड़ितों से बातचीत किया। उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए अमेरिका गए थे। अमेरिका जाने से पहले दो पैकेट में सोने के गहने लॉकर के भीतर रखे थे। जब लौटे और लॉकर खोला तो सोना का एक ही पैकेट रखा मिला। पुलिस ने बताया कि बैंक के मैनेजर का कहना है कि लॉकर की दो चाबियां होती हैं। इसमें एक चाबी बैंक के पास और दूसरी लॉकर धारक के पास होती है। लॉकर कभी भी एक चाबी से नहीं खुल सकता है। अगर दूसरी चाबी की डुप्लीकेट चाबी भी बना ली जाए, तब भी लॉकर नहीं खुल सकता है। इधर बैंक मैनेजर का कहना है कि लॉकर से सोना चोरी होने का आरोप गलत है। अगर पुलिस को शंका है तो वह सीसी कैमरे से फुटेज चेक कर लें, जो जांच करना है वह कर लें। भिलाई नगर पुलिस जांच कर रही है। जांच को बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

निधन

वृजमती देवी

भिलाई। 75/ 29 नेहरू नगर पूर्व निवासी वृजमती देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय रामाधार सिंह का शनिवार को निधन हो गया। वे 90 साल की थी । उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा वृजमती देवी ट्रांसपोर्टर जनेश्वर सिंह ,उमेश सिंह की मां व अमित सिंह, आनंद सिंह, एवं आदित्य सिंह, की दादी थी।

जगह-जगह आयोजन : दुर्ग-भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा के बाद गौरा-गौरी का हुआ विसर्जन

गौरा-गौरी पर उत्साह के बीच निकली शोभायात्रा ढोल-नगाड़े की बीच सोटा लेने की भी रही होड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

गौरी-गौरा उत्सव पर जिले के सभी गांव में पारंपरिक गीत गायन कर बाजा के साथ पूजाकर शोभा यात्रा निकाली गई। गौरा- गौरी मूर्ति के साथ दीप कलश का विसर्जन किया गया। यह त्योहार जिले के सभी गांवों में बहुत ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शोभायात्रा के बीच नाचते-गाते पुरुषों ने सोटा का प्रसाद भी ग्रहण किया। गौरी-गौरा पीठ के अनुयायियों ने अपने घरों को सजाया और दीप जलाकर पूजा की। इसके अलावा उन्होंने अपने परिवार और ग्रामीण जनो के साथ मिलकर सामूहिक पूजा की और आशीर्वाद लिया। संस्कृति और परंपरा को प्रदर्शित करने वाले परिधान पहने और ढोल-नगाड़े बजाए। हर वर्ष की भांति विसर्जन के लिए जिले के सभी गांवों में विशेष स्थल चुने गए थे। वहां पर गौरी गौरा पीठ के अनुयायियों ने पूजा की और विसर्जन किया गया।

दिवाली त्योहार सामाजिक एकता का प्रतीकः पुष्पा

चिंगरी सरपंच पुष्पा देशमुख ने कहा कि दिवाली त्योहार हमारे समाज की एकता, सौहार्द और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। गौरी गौरा पीठ के अनुयायियों ने इस त्योहार को मनाने के लिए अद्वितीय आयोजन किया है, जो हमारे समाज को मजबूत बनाने में मदद करेगा। दुर्ग जनपद सदस्य हरेंद्र देव घृतलहरे ने कहा कि गौरी गौरा पीठ के अनुयायियों ने दिवाली त्योहार पर विशेष पूजा और रैली निकालकर हमारे समाज को एकता, सौहार्द और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है। यह आयोजन हमारे समाज को जोड़ने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में समर करेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की

कुम्हारी। दीपावली पर्व पर परंपरा का निर्वहन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ग्राम जजंगिरी एवं कुम्हारी के लटटी बाबा चौक पंहुचकर गौरा-गौरी की पूजा अर्चना कर समस्त प्रदेशवासियों के लिए सुख व समृद्धि की कामना कर सभी को दीपावली की बधाई दी। इस मौके पर जजंगिरी में वीरेंद्र ठाकुर ने भूपेश बघेल के हाथों में सांटे का प्रहार किया। इसके पश्चात कुम्हारी पहुंचकर मंदिर में पूजा अर्चना कर नगर भ्रमण किया। नगर में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं सहित नगरवासियों ने भी उनका स्वागत किया। बता दें कि प्रत्येक वर्ष दीपावली के अवसर पर जजंगिरी व कुम्हारी में गौरा-गौरी की पूजा अर्चना करने भूपेश बघेल अवश्य आते हैं और लोगों के सुख समृद्धि की कामना करते हैं जिससे कि पुरखों की चली आ रही परंपरा व संस्कृति को सहेजा जा सके।

अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा गौरी-गौरा का पर्व

अंडा। गौरा-गौरी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। ग्राम अंडा सहित विभिन्न गांवों में कई स्थानों में गौरा-गौरी की प्रतिमाए स्थापित की गई थी। ग्राम के विभिन्न गौरा चौक में शुक्रवार की मध्यरात्रि में विधि-विधान पूर्वक गौरी-गौरा की मनमोहक प्रतिमाओं की स्थापना की गई ।शनिवार की सुबह से दोपहर तक लोगो द्वारा पूजन के बाद इनका विसर्जन किया गया।क्षेत्र लोग पूरे उत्साह के साथ गौरा-गौरी पूजन में अपनी आस्था प्रकट कर रहे है।छत्तीसगढ़ के पारंपरिक गड़वा बाजा की धुन पर मधुर गीत गाते श्रद्धालु विसर्जन के लिए तालाब पहुंचे।छत्तीसगढ़ में दीपावली के पर्व पर गौरी-गौरा पूजन का विशेष महत्व है।रोशनी के पर्व दीपावली में पांच दिवसों में लक्ष्मी पूजन की मध्य रात्रि में गौरी-गौरा के स्थापना होने और अगले दिन गोवर्धन पूजन के दिन दोपहर में इसका विसर्जन किया जाता है।धनतेरस के दिन से ही गौरी-गौरा जगाने,मिट्टी से उसका निर्माण करने और साज-श्रृंगार करके विधि-विधान से उसकी स्थापना एवं पूजन वंदन का विशेष महत्व हमारे प्रदेश में रहा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में दीपावली की रात गौरा-गौरी विवाह की परंपरा रही है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में इसे प्रमुख तौर पर जनजातियों व उनकी उपजातियों द्वारा मनाया जाता है। लेकिन अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में सभी जातियों के लोग इस पर्व को मनाते हैं। चार दिनों तक विवाह की विभिन्न रस्मों को विधि-विधान के साथ पूरा किया जाता है।चतुर्दशी के दिन जाते हैं चूलमाटी लेने गौरा-गौरी विवाह की शुरुआत धनतेरस के दिन से होती है। चौदस के दिन सुबह चूलमाटी समेत अन्य रस्म होती है। दीपावली के दिन गौरा व गौरी की प्रतिमाओं के साथ विवाह की रस्में होती हैं।गोवर्धन पूजा के दिन गौरा व गौरी की प्रतिमा का तालाबों व नदियों में विसर्जन किया जाता है। बताया गया कि तालाब से लाई जाती मिट्टी को चूलमाटी के नाम से जाना जाता है। इसी मिट्टी से प्रतिमाएं बनाई जाती है। प्रतिमाओं की स्थापना करके शिव-पार्वती का ब्याह कराने की परंपरा निभाई जाती है। रातभर भजन-कीर्तन व गीत गाए जाते हैं। अगले दिन गोवर्धन पूजा के बाद गाजे-बाजे के साथ प्रतिमाओं को नदी-तालाब में विसर्जित किया जाता है।पूरी रात जश्न मनाने के बाद अगले दिन गड़वा बाजा बजाते हुए जसगीत गाते हुए प्रतिमा को तालाब में विसर्जित किया जाता है।छत्तीसगढ़ में गौरा गौरी उत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस प्रकार ग्राम अंडा सहित अंचल में पूरे हर्षोल्लास के साथ गौरी-गौरा उत्सव मनाया गया।

गायों को लगाया खिचड़ी का भोग

अंडा। अंचल में गोवर्धन पर्व की धूम रही। किसानों और पशु पालकों ने गोवर्धन पर्वत का पूजन कर गायों को खिचड़ी खिलाई। ग्रामीण अंचल सहित शहर में दिवाली पर रौनक रही, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में गोवर्धन पूजा को लेकर भी खासा उत्साह नजर आया। गोवर्धन पूजा के दिन सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्र में लोग घर-घर में पूजा की तैयारियों में जुटे रहे। दोपहर 12 के बाद लोगों ने घर में गोबर से बनाए गोवर्धन पर्वत को फूल-पत्तों से सजाकर धूप-दीपक जलाकर पूजन किया। फिर दूध-दही अर्पित किया गया। घर में गाय-बैल का भी पूजन किया गया। गाय-बैल को नहलाकर आरती की गई और खिचड़ी खिलाई गई। गोवर्धन पूजा के दिन यादव समाज से जुड़े लोगो ने घरों में जाकर गायों को सोहाई बांधा। ग्राम अंडा क्षेत्र सहित चिंगरी, कुथरेल, विनायकपुर ,निकुम,जंजगिरी, चंदखुरी, मटिया, ओडारसकरी ,ओटेबंद,सिरसिदा,परसदा,डंगनिया,देवरीख,नाहंदा,गुरेदा,सलौनी,खप्परवाड़ा ,आमटी,तिरगा,भोथली,झोला,अंजोरा,रसमडा,खपरी कला,गनियारी,बोरई, नगपुरा,रसमड़ा सहित आस पास गांवों के इस पर्व पर गाय-बैलों का पूजन कर खिचड़ी खिलाने की परंपरा है, जो गांवों में आज भी कायम है।

गौरा-गौरी विसर्जन यात्रा में जुटे ग्रामीण

उतई। छत्तीसगढ़ में गौरा-गौरी उत्सव का एक अलग महत्व है। विशेष तौर पर भगवान शिव पार्वती की पूजा-अर्चना और उनके विवाह की रस्म निभाई जाती है। दुर्ग ग्रामीण के ग्राम डूमरडीह उतई में गौरा-गौरी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान महिलाएं, बच्चे सब उनकी धुन और मगन में झूमते हुए निकले। तीन दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरुआत धनतेरस के दिन हुई थी। इस दौरान शिव-पार्वती के विवाह की रस्म निभाई गई और श्रद्धा पूर्वक पूजन किया गया।

लोकतंत्र के सेनानियों का योगदान किया याद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- आचार्य नरेंद्र देव और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तथा इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर हुआ परिचर्चा

आचार्य नरेंद्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति एवं जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान की ओर से भारतीय लोकतंत्र के सेनानियों पर केंद्रित विशेष परिचर्चा का आयोजन गुरुवार 31 अक्टूबर को किया गया। यह आयोजन समाजवाद के प्रमुख स्तंभ आचार्य नरेंद्र देव और देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तथा देश की भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर रखा गया था। आयोजन की शुरूआत में आचार्य नरेंद्र देव, सरदार वल्लभभाई पटेल और श्रीमती इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए देश के प्रति उनके योगदान को विशेष रूप से याद किया गया। आयोजक रमेश प्रसाद शर्मा ने कहा कि आज याद की जा रही तीनों विभूतियों ने देश में लोकतंत्र को पुष्पित-पल्लवित करने में अपना अहम योगदान दिया। उन्होंने कहा कि दो-दो यूनिवर्सिटी के बारी-बारी से कुलपति रहे आचार्य नरेंद्र देव ने समाज के अंतिम तबके के लोगों के बारे में सोचा और देश को एक नई दिशा दी। उन्होंने लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश के प्रथम गृह मंत्री के जन्मदिन पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह सरकारी स्तर पर आयोजित किया जाता है लेकिन मौजूदा सरकार में सबसे ज्यादा दुरूपयोग सतर्कता आयोग का हुआ है और विजिलेंस के होते हुए सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार बढ़ा है। इंदिरा गांधी के बलिदान का स्मरण करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि एक साहसी महिला का देश के प्रति योगदान को जानबूझ कर किनारे करने की साजिश में कुछ लोग आज सफल होते जरूर दिख रहे हैं लेकिन आने वाला समय इनकी कारगुजारियों का भी मूल्यांकन करेगा। वरिष्ठ अधिवक्ता जमील अहमद ने कहा कि अंग्रेजी शासन काल में जिस तरह देश ने एकजुटता के साथ आजादी की लड़ाई लड़ी अब वक्त आ गया है कि हम सब वैसे ही एकजुटता के साथ समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करने आगे आए।

दिवाली मिलन में दीए सजाओ स्पर्धा, विजेता हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

उड़ान एक मंजिल संस्था का दिवाली मिलन समारोह हुआ। इसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। संस्थापिका एवं अध्यक्ष अंजू साहू ने बताया की दिवाली मिलन समारोह में पदाधिकारियों के लिए बहुत सारे गेम्स का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से गिफ्ट खोलना, दीया सजाओ, बॉल पासिंग, कुर्सी दौड़, हॉजी आदि में सभी ने मिलकर डांस का भी लुत्फ उठाया। बहुत सारे इनाम भी जीते। आयोजन में अरुणा जैन, चंद्रप्रभा, मीरा, ईशा, सोमलता, चंदा रानी, शीला, तारिणी, शांति साहू, उत्तरा मेश्राम, पार्वती, करूणा, धनशीला, ज्योति, ममता, माधवी, आकांक्षा, हेमलता आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली एकता की शपथ

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले के समस्त शासकीय कार्यालयों में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय दुर्ग के सभाकक्ष में पूर्वान्ह 11 बजे अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी अरविंद एक्का ने विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया है कि मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभ भाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यो द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ। इसी प्रकार जिला मुख्यालय के सभी कार्यालयों में भी अधिकारी-कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली।

बाबा में मंडई मेला महोत्सव आज

छग का पहला मंडई मेला मोहंदीपाट में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

छत्तीसगढ़ का प्रथम मंडाई मेला बाबा मोहदीपाट जिला मुख्यालय बालोद से 49 किमी व दुर्ग से 30 किमी उत्तर दिशा में स्थित हैं। ग्राम देवता के नाम से ही गांव का नामकरण मोहदींपाट रखा है। प्राचीन नामकरण में शिवनाथ नदी के एक ओर 18 गढ़ व दूसरी ओर 18 गढ़ कुल 36 गढ़ों में एक मेंहदीगढ़ ही मोहदींपाट है। पूर्व सरपंच मुकेश साहू ने बाताया कि प्राचीनकाल में देवस्थल मंदिर हैं जो नीम पेड़ के नीचे में मोहदींपाट बाबा विराजमान हैं। पहले कई वर्ष पहले इस जगह के आसपास जंगल क्षेत्र था। मन्दिर नीम पेड़ के नीचे स्थपित है, कहा जाता है कि बाबा मोहदींपाट रात्रिकाल में सफेद घोड़े पर सवार होकर ग्राम के चारों ओर भ्रमण करते थे,जिन्हें ग्रामीणों ने घोड़े के टॉप व घुंघरुओं की आवाज स्पष्ट सुनाई पड़ती थी। मोहदींपाट बाबा मंदिर पुजारी राजेन्द्र शर्मा और मंदिर के अध्यक्ष- नरसिंग देवांगन ने बताया कि देवस्थल एक पवित्र स्थल है। इस क्षेत्र में गन्दगी के फैलने पर इसका लोगों पर कुप्रभाव पड़ता है। देवस्थल मोहदींपाट आदिकाल से श्रद्धा एवं विशवास का केंद्र रहा है। जनमानस हजारों की संख्या में अपनी मनोकामनाओं को पूर्ण करने के लिए भगवान बाबा मोहदीपाट के दर्शन के लिए आया करते थे। भगवान मोहदीपाट बाबा के नाम से ही इस ग्राम में आदिकाल से मेला का आयोजन हो रहा है। 3 नवंबर रविवार को भव्य मंडाई मेला महोत्सव का आयोजन रखा गया हैं। इस अवसर पर रात्रि में 10 बजे छत्तीसगढ़ी लोक कला नाच पार्टी गवई के हीरा-जेवरा महासमुंद वालों का आयोजन रखा गया है। मेला का आयोजन गोवर्धन पूजा व आज भाई दूज के पश्चात के रविवार को हो रहा है। यह धार्मिक स्थल मोहदींपाट बाबा मेला महोत्सव में 15 दिन पहले मीना बाजार लगना शुरू हो जाता हैं।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508130

दीपावली की रात काली और गौरी पूजन में शामिल हुए सांसद और विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दीपावली की रात वैशाली नगर विधानसभा के अलग-अलग क्षेत्रों में परंपरानुसार गौरी-गौरा विवाह का पर्व मनाया गया। इस मौके पर मिट्टी के बने गौरी-गौरा, जिन्हें शिव-पार्वती का प्रतीक माना जाता है जिसे स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की गई। लोक गीतों और नृत्य के बीच उनका विवाह कराया गया। शुक्रवार और शनिवार दोनों दिन गौरी-गौरा का विसर्जन किया गया। इस दौरान शोभा यात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। 31 अक्टूबर की रात वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने सेक्टर-6, हाऊसिंग बोर्ड, कोहका, नेहरू नगर, स्मृति नगर सहित सात कालीबाड़ी में पहुंच मां काली की पूजा अर्चना में शामिल हुए। गुरूवार और शुक्रवार को विधानसभा के लगभग 60 गौरी गौरा पूजन आयोजनों में भी विधायक शामिल हुए। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि गौरा गौरी पूजन की यह परंपरा प्राचीन छत्तीसगढ़ से जुड़ी हुई है, जहां मिट्टी से भगवान शिव और पार्वती की मूर्तियां बनाकर उनकी बारात निकाली जाती है। इस बारात में रात भर भक्त नाचते गाते हैं। मूलतः यह परंपरा आदिवासी समाज द्वारा शुरू की गई थी लेकिन अब सभी समुदाय और जाति के लोग इसमें भाग लेते हैं और वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र गुरूवार और शुक्रवार को दोनों दिन लगभग 60 से अधिक पूजन आयोजनों में शामिल हो मैंने सभी की सुख समृद्धि की कामना की है।

भिलाई। लोकसभा सांसद विजय बघेल अपनी धर्मपत्नी रजनी बघेल व इष्ट मित्रों सहित अपने निज निवास सेक्टर 5 भिलाई में दिवाली,मातर,गौवर्धन, भाई दूज पूजा की। अपने गौठान में गौवर्धन पूजा अर्चना कर सभी को बधाई के साथ सभी के जीवन में सुख ,शांति व समृद्धि मांगी। सांसद ने कहा कि मां लक्ष्मी भगवान गोवर्धन से मंगल कामनाएं करते हैं। हिन्दू सनातन की परम्परा है। हम लोग गौमाता को मां मानते हैं और पूजते है। उसी विचार धारा को लेकर हमारे पुरखों ने जो परंपरा बनाई है, गौवर्धन को भगवान श्री कृष्ण ने अपने उंगलियों में उठाकर क्षेत्र वासियों के जान-माल की रक्षा की थी। गोवर्धन की पूजा कर गौमाता कि रक्षा भगवान कृष्ण ने सेवक मानते हुए किया। गौ माता को खिचड़ी खिलाने की परम्परा निभाई। गौ माता के आशीर्वाद से सारे कष्ट,परेशानी, दुख -दर्द मिट जाते हैं। गौमाता में अनेक देवताओं का वास है। इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ,सांसद प्रतिनिधि पप्पू चंद्राकर, मनमोहन शर्मा,मनीष यादव आदि उपस्थित रहें!

खबर संक्षेप

बीएसपी के आठ कार्यपालक हुए सेवानिवृत्त

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के खदान विभाग सहित विभिन्न विभागों में पदस्थ आठ कार्यपालक 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालकों की विदाई को लेकर इस्पात भवन स्थित निदेशक प्रभारी सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने कार्यपालकों को सेवानिवृत्ति आदेश और सेवा प्रमाण पत्र प्रदान किया। उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों ने सेल में अपने सेवा अनुभव और सेवानिवृत्ति के बाद भविष्य की योजनाओं को भी साझा किया। इस अवसर पर कार्यपालकों में तरुण कनरार, डॉ, मीनाक्षी दवे, अनुराधा सिंह, वी अनिल कुमार, उप महाप्रबंधक, अजय कुशवाहा, सतीश कुमार पंचांगम, दीपक कुमार नायक, जुगल किशोर सिंह सहित अन्य का सम्मान किया गया।

धान खरीदी की तैयारी में बड़ा खेला

बाजार से दोगुने दाम पर तारपोलिन व तौल मशीन खरीदी करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

प्रदेश सरकार 14 नवंबर से धान खरीदी करने जा रही है। इस बार इलेक्ट्रानिक्स तौल से ही धान खरीदे जाएंगे। इसके लिए इलेक्ट्रॉनिक्स तराजू और तारपोलीन समिति खरीदेगी। समितियों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक तराजू और तारपोलीन के लिए कोटेशन मंगवाए गए हैं। इस कोटेशन का रेट बाजार दाम से दोगुना ज्यादा है। इस तरह इस खरीदी में बड़ा खेला हो सकता है। अकेले दुर्ग जिले में 311 सहकारी समितियों के माध्यम से धान खरीदी होनी है।

इन सभी फर्मों के दाम बाजार भाव से दुगुने

सोसायटियों को जो कोटेशन इन फर्मों ने दिए हैं उनमें सभी एक क्विंटल तक तौल करने वाले इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन हैं। व्यवसाईयों के मुताबिक इस केटेगरी व वजन वाले इलेक्ट्रॉनिक तौल की कीमत बाजार में 4से 5 हजार रुपए है। इसी तरह तारपोलीन का जो कोटेशन फर्मों ने दिया है उनकी तुलना में बाजार दाम 3 से 4 हजार में उपलब्ध है। फर्मों ने अपने कोटेशन में इसकी कीमत लगभग 10 हजार रुपए कोट किये गये हैं। इसी प्रकार 3-4 हजार रुपए में बाजार में तारपोलिन उपलब्ध है। जबकि अधिकांश कोटेशन में 7 हजार रुपए कीमत कोट किया गया है। इसके अलावा सोसायटी को जीएसटी का भुगतान भी करना है।

ये है कोटेशन के उदाहरण

केस 1

मारूति ट्रेडर्स नामक एक फर्म ने इलेक्ट्रॉनिक्स वेटिंग मशीन का कोटेशन 9890 रुपए प्लस जीएसटी दिया है। इसकी केपेसिटी 100 किलोग्राम की है और साइज 500 बाई 500 एमएम है। 50 बाई 50 तारपोलीन के दाम 7485 रुपए प्लस जीएसटी रखे हैं।

केस 2

विकास एग्रो नामक एक फर्म ने इलेक्ट्रॉनिक्स वेटिंग मशीन का कोटेशन 10950 रुपए प्लस जीएसटी दिया है। इसकी केपेसिटी 100 किलोग्राम की है और साइज 500 बाई 500 एमएम है। 50 बाई 50 तारपोलीन के दाम 7690 प्लस जीएसटी रुपए रखे हैं।

केस 3

सिद्धी विनायक नामक एक फर्म ने इलेक्ट्रॉनिक्स वेटिंग मशीन का कोटेशन 10375 रुपए प्लस जीएसटी दिया है। इसकी केपेसिटी 100 किलोग्राम की है और साइज 500 बाई 500 एमएम है। 50 बाई 50 तारपोलीन के दाम 7950 प्लस जीएसटी रुपए रखे हैं।

केस 4

विनायक फ्रेबिक्स नामक एक फर्म ने इलेक्ट्रॉनिक्स वेटिंग मशीन का कोटेशन 10100 रुपए प्लस जीएसटी दिया है। इसकी केपेसिटी 100 किलोग्राम की है और साइज 500 बाई 500 एमएम है। 50 बाई 50 तारपोलीन के दाम 7784 प्लस जीएसटी रुपए रखे हैं।

केस 5

राजू ट्रेडर्स नामक एक फर्म ने इलेक्ट्रॉनिक्स वेटिंग मशीन का कोटेशन 10386 रुपए प्लस जीएसटी दिया है। इसकी केपेसिटी 100 किलोग्राम की है और साइज 500 बाई 500 एमएम है। 50 बाई 50 तारपोलीन के दाम 7994 प्लस जीएसटी रुपए रखे हैं।

बैंक कर्मचारी ही समिति प्रबंधक का काम देख रहे

वर्तमान में केंद्रीय सहकारी बैंक में निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं है। बैंक में अध्यक्ष के पद पर जिला कलेक्टर प्रभारी अधिकारी हैं। इसी प्रकार समितियों में भी निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं है। बैंक के कर्मचारी ही समिति प्रबंधक के रूप में समितियों के कार्य को संचालित कर रहे हैं।

किसान संगठन ने की जांच की मांग

किसाने नेता रवि प्रकाश ताम्रकार, छत्तीसगढ़ किसान संगठन के राजकुमार गुप्त, झबेन्द्र भूषण वैष्णव ने कलेक्टर ऋचा चौधरी से आग्रह किया है कि समितियों में तारपोलिन और इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन की खरीद के लिए फर्मों के कोटेशन और उनके जीएसटी नंबर की जांच कराएं।किसी भी स्थिति में इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन खरीदी 5 हजार रुपए से अधिक और तारपोलिन की खरीद 4 हजार रुपए से अधिक दाम में न हो यह सुनिश्चित करने की जरूरत है।

जुआरियों के हौसले बुलंद पार्षद पति को जमकर पीटा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नशेडी किस्म के युवकों द्वारा जुआ खेल रहे थे। जुआ बंद कराने के लिए पार्षद पति मौके पर पहुचा लेकिन उसे देख जुआरियों ने जमकर मारपीट करना शुरु कर दिया। घटना की शिकायत पुलिस से किया गया। मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ धारा 115 (2), 296 के तहत जुर्म दर्ज किया है। मिली जानकारी के मुताबिक राजीव नगर सुपेला में जुआ खेल रहे युवकों को बंद कराने पार्षद पति राजू साहू पहुचा था। जिसे देख युवक ने जमकर मारपीट कर दिया। पार्षद पति के साथ मारपीट करने के बाद जान से मारने तक की धमकी भी दी। घटना में विवाद में एक जुआरी भी घायल हो गया है। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। वार्ड 7 राजीव नगर की पार्षद रानू साहू हैं। उनके पति राजू साहू वार्ड की व्यवस्था का कामकाज देखते हैं। राजू के मुताबिक वार्ड में एसएलआरएम सेंटर है। जहां पर असामाजिक तत्व आए दिन जुआ खेलते हैं और नशा करते हैं। बुधवार रात 10.30 पार्षद पति राजू साहू को खबर मिली कि कुछ युवक बैठकर जुआ खेल रहे हैं। जहां शराब और गांजा पीने की जानकारी मिली।

- राजीव नगर वार्ड 7 की घटना

राजू ने अपने भांजे के साथ उक्त सेंटर पहुंचे। राजू ने देखा कि लंबू तेली नामक युवक कुछ युवकों के साथ बैठकर जुआ खेलते नजर आया और नशा कर रहा था। राजू साहू ने युवकों को जुआ व नशा करने को लेकर डांटने लगा। इसी बात को लेकर लंबू और उसके दोस्तों आए और राजू साहू से गाली गलौज कर मारपीट करना शुरु कर दिया। विवाद में राजू के आंख के पास और शरीर के विभिन्न जगहों में चोट आई है।

भोजपुरी परिषद ने छठ पूजा पर दो दिन मांस व मदिरा दुकानों को बंद करने रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

छत्तीसगढ़ भोजपुरी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक नन्दनी रोड स्थित कार्यालय मे सम्पन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता परिषद के प्रदेश अध्यक्ष प्रभुनाथ बैठा ने की।बेठक के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया की पूरी दुनिया में छठ पर्व का एक अलग ही महत्व है। जिसके लिए सरकार से विनम्र अपील करना चाहती है की उत्तर प्रदेश बिहार एवं झारखंड का महत्वपूर्ण त्यौहार छठ महापर्व पूरी दुनिया में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है । इस त्यौहार को एकता का प्रतीक के रूप में देखा जाता है। हिंदू समाज के अलावा भी कई धर्म के लोग इस पवित्र त्यौहार को मनाते हैं। भारत देश में जातीयता व धार्मिकता की कट्टरता को चरम सीमा से अलग रखते हुए पवित्र संगठन के साथ साथ आपसी प्रेम को दर्शाता है वहीं यह त्यौहार नदी व तालाबों के किनारे संगठनात्मक दृष्टिकोण से भी अपने आप में एक अलग महत्व रखता है । शुद्धता के प्रतीक को देखते हुए 7 एवं 8 नवंबर को दो दिन मांस मदिरा दुकानों को खोलने पर प्रतिबंधित किया जाए ।ताकि किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा ना हो सके । इस बैठक में परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष प्रभुनाथ बैठा, मुख्य संरक्षक संजय ओझा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ,मुख्य सलाहकार निशीकांत शर्मा ,महासचिव बीपी सिंह , कोषाध्यक्ष सुभाष शर्मा ,सचिन मृत्युंजय भगत ,युवा प्रदेश प्रभारी मनोज कुमार सिंह, सुभाष साव,सुभाष प्रसाद , मोतिलाल बैठा ,सनोज चौधरी, नंदकिशोर सिंह, त्रिभुवन प्रसाद ,योगेंद्र पाठक, प्रेम प्रकाश मिश्रा, संतोष शाह, ओम प्रकाश शर्मा ,जेपी गुप्ता, सुभाष सिंह ,सी पी पांडे , श्रीकांत पहलवान , भगवान पहलवान अरुण राय,अजय यादव , हरिंद्र यादव ,राधेश्याम यादव ,मीडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा , अमित सोनी संभु नेता सहित मौजूद रहे।

बीएसपी ने लगाया हेल्थ कैम्प

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस अस्पताल में एक दिवसीय निशुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बीएसपी के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य सेवाएं दी। 300 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। उन्हें दवाएं भी बांटी गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर, डॉ. नूतन वर्मा (शिशु रोग), डॉ. इमैनुअल मैसी (हड्डी रोग), डॉ. हिमानी गुप्ता (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ. दीपाली गुप्ता (नेत्र रोग), डॉ. धीरज शर्मा (सर्जरी), डॉ. श्वेता वर्मा (ईएनटी), दिग्विजय किशोर (फिजियोथेरेपिस्ट), रीता भटनागर (आहार विशेषज्ञ), डॉ. अक्षय डीएनबी कंसल्टेंट (हड्डी रोग), डॉ. जूली डीएनबी कंसल्टेंट (प्रसूति एवं स्त्री रोग) ने सेवाएं दी। शिविर में राजहरा माइंस अस्पताल से सीनियर कंसल्टेंट डॉ. मनोज डहरवाल और उनकी टीम सदस्य भी उपस्थित थे।

स्वस्थ जीवन शैली से जुड़े टिप्स भी दिए गए: शिविर में मरीजों को विभिन्न बीमारियों और चिकित्सा-स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श, नैदानिक परीक्षण और उपचार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा सत्र भी शामिल थे, जहां मरीजों को विभिन्न निवारक उपायों और स्वस्थ जीवन शैली जीने के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में चिकित्सकों ने चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई, जिसके तहत डॉ. श्वेता वर्मा ने मरीज के कान से कीड़े निकाले, डॉ. धीरज शर्मा ने फोड़ों पर चीरा लगाया।

रिटायर कर्मियों को भी झांसा देकर डॉ खंडूजा ने ठगा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

बीएसआर हेल्थ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में कई लोगों से निवेश करने के नाम पर ठगी करने वाले डॉक्टर एमके खंडूजा के झांसे में आकर रुपए लगाने वालों की लिस्ट लगातार बढ़ती जा रही है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि आरोपी डॉ खंडूजा की जमानत ना हो क्योंकि लोगों को डर है कि जमानत होने के बाद वह फिर से फरार हो सकता है। फरार होने से लोगों के निवेश का पैसा नहीं मिल पाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक बीएसपी सेवानिवृत्त एमसी जैन ने बताया कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए बीएसआर हेल्थ वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में 4 लाख रुपए निवेश किया था। निवेश करने पर डॉक्टर खंडूजा ने आश्वासन दिया था कि रकम निवेश करने पर 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से लाभांश दिया जाएगा। लेकिन कुछ माह तक पीड़ित को रकम पर ब्याज मिलता रहा। फिर ब्याज देना बंद हो गया। जब रकम वापसी के लिए मिलकर चर्चा की गई तो डॉक्टर खंडूजा ने कहा था कि वह अपना अस्पताल बेच रहे हैं। बड़ी रकम मिलने के बाद रकम लौटा देंगे। इस तरह से निवेशकों से ठगी कर फरार हो गया था। डॉक्टर खंडूजा बीएसपी के कई कर्मी जो सेवानिवृत होने के बाद अपनी कमाई को उसके कहने पर निवेश किया। लेकिन आज उनके साथ ठगी हो गई। जब पुलिस डॉ एमके को कलकत्ता से पकड़ कर जेल दाखिला किया है। निवेशकों को उम्मीद जागने लगी। खबरों के मुताबिक सेवानिवृत कर्मी शारदा प्रसाद सिंह ,मानसिंह राठौर, अभिनव मौर्य समेत सैकड़ों की संख्या में डॉ खंडूजा के झांसे में आकर निवेश किए लोग दिक्कत में है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2021 में 3 लाख रुपए और उसके बाद डेढ़ लाख रुपए डॉ खंडूजा के पास निवेश किया था। शुरूआती दिनों में 6 माह तक रकम पर कंपनी द्वारा ब्याज दिया गया। इसके बाद धीरे-धीरे उसे भी बंद कर दिया गया था। कुछ महीनो बाद डॉक्टर खंडूजा की कंपनी द्वारा रकम पर ब्याज देना छोड़ दिया। परेशान निवेशकों ने स्मृति नगर पुलिस चौकी में शिकायत की थी। आरोपी डॉक्टर खंडूजा को पकड़कर लाने के बाद चौकी में उसने निवेशकों से आश्वासन दिया कि रकम वापस कर देगा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोगों ने पुराने चेक को लौटा दिया।

निजी कालेज से 19 करोड़ की ठगी

डॉ खंडूजा ने शहर के एक इंजीनियरिंग कालेज को अपनी जगह बेचने को लेकर 19 करोड़ रुपए का ठगी किया। इसकी शिकायत पर ही पुलिस हरकत में आई और डॉ खंडूजा को कलकत्ता से गिरफ्तार कर भिलाई लाई। अब निजी कालेज संचालक डॉ खंडूजा के हरकत को लेकर लगातार उजागर करने में जुट गई है।डॉ खंडूजा ने अपने अस्पताल को बेचने के नाम उक्त संचालक से बयाना के नाम पर 19 करोड़ रुपए लिया लेकर फरार हो

सुपेला क्षेत्र के पशुओं में मिली यह बीमारी

फिर दिखने लगी पशुओं में लंपी बीमारी, एलर्ट जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

पशुओं में लंपी बीमारी फिर से दिखने लगी है। सुपेला क्षेत्र के पशुओं में यह बीमारी देखी गई है। इसकी जानकारी पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को दी गई है। विभाग ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए ऐसे गायों का उपचार शुरू कर दिया है। आसपास क्षेत्रों में वैक्सीनेशन भी किया जा रहा है जिससे यह बीमारी दूसरे मवेशियों में न फैले।

मुनादी कराकर होगा वैक्सीनेशन

वेटनरी विभाग ने पूरे क्षेत्र में मुनादी कराने और सभी गायों का वैक्सीनेशन कराने की योजना बनाई है। जिन पशुपालकों को अपने मवेशियों में इस बीमारी के लक्षण शुरू हो इसके पहले ही वैक्सीनेशन करवाने कहा गया है। इस बीमारी में मवेशियों के शरीर में बड़े दाने-दाने से हो जाते हैं और यह तेजी से बढ़ता जाता है।

लंपी बीमारी के लक्षण

लम्पी त्वचा रोग (गांठदार त्वचा रोग) मवेशियों में होने वाला एक संक्रामक रोग है जो पॉक्सविरिडे परिवार के एक वायरस के कारण होता है, जिसे नीथलिंग वायरस भी कहा जाता है। इस रोग के कारण पशुओं की त्वचा पर गांठें होती हैं। यह रोग त्वचा और श्लेष्मा झिल्ली (श्वसन और जठरात्र सम्बन्धी मार्ग सहित) पर बुखार, बढ़े हुए सतही लिम्फ नोड्स और कई नोड्यूल (व्यास में 2-5 सेंटीमीटर (1-2 इंच)) की विशेषता है। संक्रमित मवेशी भी अपने अंगों में सूजन विकसित कर सकते हैं और लंगड़ापन प्रदर्शित कर सकते हैं। प्रभावित जानवरों की त्वचा को स्थायी नुकसान होता है, जिससे उनके छिपने का व्यावसायिक मूल्य कम हो जाता है। इसके अतिरिक्त, इस बीमारी के परिणामस्वरूप अक्सर पुरानी दुर्बलता, कम दूध उत्पादन, खराब विकास, बांझपन, गर्भपात और कभी-कभी मृत्यु हो जाती है।

यहां पहुंची विभागीय टीम

वेंकटेश्वर टॉकीज के सामने वार्ड नंबर 6 में एक गाय के लम्पी वायरस से पीड़ित होने की जानकारी मिली। विजय साहू ने सांसद विजय बघेल को अवगत कराया। सांसद ने संज्ञान लेते हुए डिप्टी डायरेक्टर वेटनरी डॉक्टर एस. पी. सिंह को निर्देश दिए कि वे घटनास्थल पर जाकर पीड़ित गाय का तुरंत उपचार करें। डॉ. सिंह एवं उनकी टीम संजय नगर दशहरा मैदान पहुंची। यहां पीड़ित गाय का वैक्सीनेशन किया गया।

कोसानगर गौठान में पीड़ित मवेशियों को रखेंगे

सांसद विजय बघेल से लोगों ने कोसानगर गौठान में पीड़ित गायों को अलग रखने की व्यवस्था की मांग रखी। ताकि यह बीमारी अन्य गायों तक न फैल सके। इसके लिए सांसद बघेल ने भिलाई नगर निगम के कमिश्नर को आवश्यक निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में डिप्टी डायरेक्टर वेटनरी डॉक्टर सिंह, क्षेत्रीय पार्षद रविशंकर कुर्रे आदि उपस्थित रहे।

बीएसपी क्षेत्र में सबसे ज्यादा शिकायतें आई थी सामने

करीब चार महीने पहले पशुओं में लंपी बीमारी फैली हुई थी। इसमें सबसे ज्यादा घुमंतू मवेशी संक्रमण के शिकार हुए थे। बीएसपी क्षेत्र में घुमंतू मवेशियों की संख्या ज्यादा है। लोग अपने पशुओं को यूं ही छोड़ देते हैं। गौठान भी पिछली सरकार ने खोले हैं लेकिन इन गौठानों को बंद कर दिया गया है। जिसकी वजह से मवेशियों की देखभाल नहीं हो पा रही है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, रविवार 3 नवंबर 2024
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at - 9755819129

04 भारत-मिस्त्र का संगम

लाइव इवेंट

योग में 150 खिलाड़ियों ने दिखाया दम राजनांदगांव विजेता, दुर्ग उपविजेता

■ दो दिवसीय राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का हुआ समापन

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रेम निरंजन योगासन खेल संघ और योग लंगर समिति के तत्वावधान में चतुर्थ सब जूनियर, जूनियर व सीनियर बालक व बालिका राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्रगति भवन सिविक सेन्टर भिलाई में आयोजित किया गया। इसमें छग के विभिन्न जिलों के 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। प्रथम स्थान राजनांदगांव, द्वितीय दुर्ग, तृतीय बिलासपुर की टीम रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि नरेंद्र बंछोर (अध्यक्ष ओए भिलाई) थे। अध्यक्षता मोहंती डायरेक्टर निको ग्रुप ने की। विशिष्ट अतिथि अरुण पंडा, ऋषिकेश सिंह थे। उनके द्वारा विजेताओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने जीवन में योग के महत्व को रेखांकित किया। धन्यवाद ज्ञापन अजीत पंडा ने प्रस्तुत किया। संचालन रीना पटेल ने किया। महेश्वरो समाज ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. नीरा सिह, नवींनसिह, अंकित कुमार, लियाक़त अली, अनिल कुमार प्रजापति, वीणा सिह, आरती वर्मा, रिना पटेल, भारतीय साहू, महेन्द्र सोनी उपस्गित थे।

सिटी इवेंट

गणेश ताम्रकार ज्येष्ठ नागरिक कल्याण संघ के अध्यक्ष चुने गए

भिलाई। बुजुर्गों के हितों में काम करने के लिए भिलाई में ज्येष्ठ नागरिक कल्याण संघ का गठन किया गया है। इसकी आवश्यक बैठक प्रियदर्शिनी परिसर पूर्व में हुई। ज्येष्ठ नागरिक कल्याण संघ की यह प्रथम बैठक थी। इसमें गणेश ताम्रकार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू एवं महासचिव गजानन साहू की उपस्थिति में यह बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रियदर्शनी परिसर पूर्व विकास समिति के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने की। इसमें 51 सदस्यों की सर्वसम्मति एवं सहमति से गणेश ताम्रकार को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। बैठक में संगठन की उद्देश्यों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. एसपी त्रिपाठी, आरएस शर्मा, डॉ. कैलाश शर्मा, कामेश्वर सिंह, सीआई भट्ट, एनएस भाटिया, अरविंद वर्मा, अनिल कामड़े, आरके प्रसाद, बीपी यादव, आरटी चौधरी, एलके कौशिक, डॉ. मुकेश जैन सहित अन्य मौजूद थे। यह जानकारी जेएन तिवारी ने दी।

■ प्रियदर्शनी परिसर पूर्व में हुई बैठक, बुजुर्गों के हितों में काम करेगी संस्था

सिटी इवेंट

वीकेंड टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में भिलाई वेटरेनस का कब्जा, फाइनल 6 विकेट से जीता

भिलाई। वीकेंड टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजक बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में किया गया। मॉर्निंग क्लब 11 दुर्ग ग्रामीण वेटरेनस क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का फाइनल मैच भिलाई वेटरेनस क्रिकेट क्लब और मॉर्निंग क्लब-11 के मध्य खेला गया। मैच भिलाई वेटरेनस क्रिकेट क्लब की टीम ने 6 विकेट से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच रामेश्वर मिश्रा रहे। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में मॉर्निंग क्लब 11 की टीम 119 रन बनाकर आउट हो गई। सुरेंद्र ने 25 रन, जैकी खान ने 22 रन, सुमित मिश्रा ने 21 रन बनाए। भिलाई वेटरेनस से गेंदबाजी करते हुए सागर चावड़ा, रवि चौबे एवं गोल्डी वैष्णव ने दो-दो विकेट लिए। बल्लेबाजी करने उतरी भिलाई वेटरेनस की टीम ने महज चार विकेट खोकर निर्धारित 122 रन बना लिए। रामेश्वर मिश्रा ने 39 रन बनाए। आशीष शर्मा ने 37 रन, विशाल ने 27 रन बनाए। मैच के अंपायर हरिशंकर यादव एवं हिमाचल साहू, स्कोर विनोद देवघरे एवं दिलराज सिंह भाटिया रथे। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी एवं नगद पुरस्कार आईजी रामगोपाल गर्ग एवं एसपी जितेंद्र शुक्ला ने प्रदान किया। प्रतियोगिता में डीएसपी संजय पुंढीर भी मौजूद थे। प्रतियोगिता के बेस्ट बैट्समैन आशीष शर्मा, बेस्ट बॉलर संजय मनहरे, बेस्ट फील्डर हरिहर प्लेयर, ऑफ़ द टूर्नामेंट मोहम्मद आरिफ अहमद रहे। इस अवसर पर भिलाई वेटरेनस क्रिकेट क्लब के श्रीराव, रंजीत साहनी, तरुण, विवेक, अरोरा ने योगदान दिया।

● प्रख्यात वायलिन वादक दीपक पंडित इस्पात नगरी में प्रस्तुति देने पहुंचे, हरिभूमि से विशेष बातचीत

आज के रियालिटी शो में रट्टू तोता आ रहे हैं, इससे संगीत का भला नहीं संगीत के लिए पहले शास्त्रीय गायन सीखना जरूरी : दीपक पंडित

प्रख्यात वायलिन वादक दीपक पंडित का कहना है कि संगीत के क्षेत्र में आने के इच्छुक लोगों को पहले शास्त्रीय गायन को गंभीरता से सीखना चाहिए। कव्वाली में सरताज रही अपने दौर की मशहूर जोड़ी शंकर-शंभू में शंभू कव्वाल के सुपुत्र दीपक पंडित का मानना है कि अभी रियालिटी शो में जितने भी युवा आ रहे हैं वो सब रटा हुआ गाते हैं। इससे संगीत का भला नहीं होने वाला। इस्पात नगरी भिलाई में प्रस्तुति देने आए दीपक पंडित ने एक मुलाकात के दौरान अपने खानदान की संगीत की परंपरा से लेकर मौजूदा दौर के ट्रेंड पर बात की।

भिलाई। संगीत के क्षेत्र में आने के इच्छुक लोगों के लिए उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को कम से कम 5-7 साल शास्त्रीय गायन सीखना चाहिए। उसके बाद 3-4 साल कोई रिद्म का इंस्ट्रूमेंट सीखे। जिससे उसे ताल की जानकारी हो। दीपक कहते हैं छह साल की उम्र में मैनें वायलिन थामा लेकिन इसके साथ-साथ मेरी तालीम गायन की भी हुई क्योंकि अगर आप सही गाओगे नहीं तो अच्छा बजा भी नहीं पाओगे।

रियालिटी शो के संबंध में दीपक पंडित का कहना है कि अभी जितने भी बच्चे आते हैं वो रटा हुआ प्रचलित गाना सुनाते हैं। अगर उनको कुछ नया कंपोज कर दिया जाए और बोला जाए गाने के लिए तो उनसे नहीं हो पाएगा। इसलिए जरूरी है कि पहले आप शास्त्रीय संगीत सीखें और उसके बाद अपनी पहचान बनाएं। मौजूदा गतिविधियों पर उन्होंने बताया कि हाल ही अपनी कंपनी दीपक पंडित (डीपी) म्यूजिक लांच की है। इसमें शास्त्रीय संगीत को प्राथमिकता दी गई है। इसके जरिए जारी होने वाले गायन और वादन के सभी एलबम राग आधारित होंगे। इससे संगीत की अपनी खानदानी धरोहर को भी आगे ले जाना चाहते हैं। इसके अलावा देश-विदेश में उनके लाइव कांसर्ट्स लगातार चल रहे हैं। इस बातचीत के दौरान प्रख्यात गजल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी, तबला नवाज रामचंद्र सरपे, वरिष्ठ संगीतज्ञ दीपांकर दास और युवा गायक परनराज भाटिया भी मौजूद थे।

शंकर-शंभू कव्वाल

ऐसे मिला अजमेर में मौका, लोग सुधबुध खो बैठे

दीपक पंडित बताते हैं हमारे दादा पं. चुन्नीलाल की जिद थी कि उनके दोनों बेटों की हाजिरी अजमेर शरीफ में लगे। तब दादाजी ने उर्स के मौके पर गरीब नवाज के आस्ताने पर अर्जी लगाते हुए कहा कि जब तक मेरे बच्चों की यहां कव्वाली के जरिए हाजिरी नहीं होगी तब तक मैं खाना-पानी को हाथ नहीं लगाउंगा। फिर तीसरे दिन छठी शरीफ पर दरगाह के दीवान में पिताजी और ताऊजी को कव्वाली पेश करने बुलवाया। कव्वाली का एक कायदा होता है कि इसमें कौल से शुरूआत कर सलाम से खत्म करते हैं लेकिन तब रात के तीन बज रहे थे। तब पिताजी तकरीबन 14-15 साल के और ताऊ जी 17-18 साल के थे। दोनों ने पता नहीं कैसे सीधे सलाम पेश करना शुरू कर दिया। तब दोनों ने इस कदर डूब कर 'महबूबे किबरिया से मेरा सलाम कहना' पेश किया कि समां बंध गया और लोग सुधबुध खो बैठे। यहां तक कि सुबह के 5:30 बज चुके थे और फज्र की नमाज के लिए अजान का वक्त हो चुका था। लेकिन सब के सब वहीं जमे थे। कहते हैं कि उस वक्त 'सुब्हान अल्लाह-माशा अल्लाह' की एक गैबी आवाज आई थी। इसके बाद उन्हें 'ख्वाजा पसंद' का खिताब दिया गया। फिर पूरी जिंदगी हर साल उर्स में पिताजी-ताऊजी ख्वाजा साहब के दरबार में अपनी कव्वाली पेश करते रहे।

महबूब खां ने बॉम्बे बुलाया, फिर सफलता का इतिहास रच दिया

दीपक पंडित ने बताया कि अजमेर शरीफ में इस पहली महफिल में प्रख्यात फिल्म निर्देशक महबूब खां भी थे। उन्होंने दोनों भाईयों और दादाजी के बॉम्बे बुलवाया। उन्होंने एक निजी महफिल रखी। इसके बाद तो तब माउथ पब्लिसिटी ऐसी हुई कि रातों-रात शंकर-शंभू की जोड़ी का नाम हो गया। फिर तो धूम मच गई। पिताजी-ताऊजी दोनों के खूब प्रोग्राम होने लगे। ऐसे में अगले तीन साल में बॉम्बे में इन लोगों ने अपना नया बंगला बना लिया था। फिर तो दोनों ने इतिहास रच दिया।

जगजीत कहीं नहीं गए...

दीपक पंडित

गजल सम्राट जगजीत सिंह के साथ 23 साल तक वायलिन के साथ संगत करते रहे दीपक पंडित ने बताया कि 16 की उम्र में उन्होंने यह सफर शुरू किया था, जो उनके साथ आखिर तक बना रहा। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच जो भावनात्मक रिश्ता था वो ताउम्र कायम रहा। इसलिए वह नहीं मानते कि जगजीत सिंह इस दुनिया से जा चुके हैं बल्कि उनका मानना है कि जगजीत सिंह अपने रूटीन पर वर्ल्ड टूर के लिए निकले हैं और कहीं न कहीं अपने कंसर्ट से लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। दीपक पंडित कहते हैं, वह जब भी स्टेज पर वायलिन लेकर बैठते हैं तो हमेशा महसूस करते हैं कि जगजीत सिंह आज भी बदस्तूर आसपास ही है। भिलाई के कलाकारों पर टिप्पणी करते हुए दीपक पंडित ने कहा कि एक कमर्शियल प्यार होता है और दूसरा रूहानी प्यार तो भिलाई के तमाम कलाकारों से एक रूहानी रिश्ता महसूस करते हैं। दीपक के मुताबिक जब भी वह भिलाई आते हैं तो जैसा अपनापन यहां मिलता है, वैसा कहीं नहीं।

गंगा घाट की मनमोहक रंगोली...

भिलाई। मैत्रीकुंट रिसाली, भिलाई में रहने वाली सृष्टि कोटनिस ने यह रंगोली बनाई है। इस रंगोली में गंगा घाट की मनमोहक सुंदर रंगोली बनाई गई है। सृष्टि की रंगोली की प्रदर्शनी कई बार भिलाई एवं भिलाई शहक के बाहर भी लग चुकी है। विगत कई वर्षों से रंगोली की कला के माध्यम से उन्होंने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी है। इस रंगोली को बनाने में 6 घंटे का समय लगा है। सृष्टि के पिता अरुण कोटनिस भिलाई इस्पात संयंत्र में जनरल मैनेजर पर कार्यरत हैं।

टंकी मरोदा में गरीब परिवारों को बांटी पूजन सामग्री और साड़ी

भिलाई। रूपाली महतारी गुड़ी बहुउद्देशीय संस्था द्वारा टंकी मरोदा स्थित शिवपारा बस्ती में गरीब परिवारों को दीपावली की पूजन सामग्री का वितरण किया गया। सदस्यों ने निर्धन परिवारों को दीपावली के उपलक्ष्य पर दीया, कलश, नान्दी, बाती, तेल, बताशा,लायी, चीरोंजी, फल एवं साड़ी भेंट की गई। ताकि गरीब के घर आंगन में रोशनी हो। वे भी दीपावली मना सकें। साथ ही गौरी गौरा, दिवारी और मातर की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष शान्ता शर्मा, संरक्षक संगीता दास, विक्रम कोशिश, गजेन्द्र टण्डन, मयंक ठाकुर, रमन साहू सहित अन्य उपस्थित थे।

निश्चिता को गोल्ड मेडल राष्ट्रपति के हाथों मिला सम्मान

भिलाई। अपोलो कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी की छात्रा निश्चिता अयला सोना को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ के पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में निश्चिता ने यह सम्मान ग्रहण किया। अपोलो कॉलेज दुर्ग की छात्रा निश्चिता अयला सोना को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। निश्चिता को फिजियोथेरेपी में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए यह सम्मान दिया गया। सम्मान प्राप्त करने पर निश्चिता ने आभार व्यक्त करते हुए अपोलो कॉलेज के निदेशक, प्राचार्य और शिक्षकों को भी अपने इस उपलब्धि के लिए धन्यवाद दिया।

अनोखी परंपरा : रिंगनी, नंदौरी, कुम्हारी, धमधा, पाटन, रानीतराई, सांकरा, थनौद, चिरपोटी, सिरसिदा में तैयार होते हैं ये सामान

पारधियों के बनाए ग्वालीन दीया, नांदी, करसा, धान की बालियों के बने झूमर झाकर, चिरई झूमर, बिछी झालर और मिट्टी के दीयों से मनथे दिवारी तिहार

कार्नर न्यूज

भिलाई। दीपावली पौराणिक पर्व होने के साथ ही स्वच्छता और कलाओं के समृद्ध होने का त्यौहार है। इसमें शिल्पकारों का योगदान काफी उल्लेखनीय एक ओर जहां कुम्हारों के हाथों से बने मिट्टी के दिए, ग्वालीन दीया, नांदी, करसा आदि की मांग दीपावली में गोवर्धन पूजा, गौरव-गौरी उत्सव, लक्ष्मी पूजा के लिए उपयोगी शिल्पों का निर्माण करते हैं। वहीं पारधी जनजाति के लोगों द्वारा स्वच्छता के दैनिक उपयोग के लिए छिंद की झाड़ बड़े-छोटे आकार की बनाई जाती हैं। वहीं इनके द्वारा दीपावली के समय अपनी सारी सृजनशीलता को प्रकट करते हुए कमल आकर के देव झाड़, सुवा आकर के झाड़ का निर्माण पहली बार देवबलौदा की काजल पारदी व देवगन पारधी द्वारा निर्मित किया गया। इसके साथ ही पारधी महिलाओं द्वारा धान की बालियों से झूमर, झाकर, दर्पण झूमर, चिरई झूमर, फाता, चिरई पिंजरा, बिछी झालर, मंदिर झालर आदि नाम से बेहद कलात्मक रुप से धान के झालर का निर्माण कर बेचा जाता है।

कला, संस्कृतिक पहले से ज्यादा समृद्ध हो रही

लोग इसे धान के प्रतीक के रुप में लक्ष्मी पूजन स्थल पर अवश्य रखने के लिए खरीदते हैं। इससे पारधियों की शिल्प कलाएं समृद्ध होती जा रही हैं। उनका आर्थिक संबलीकरण संभव हो पा रहा है। पशु-पक्षियों के शिकार को शासन द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है। शिक्षक, संस्कृति कर्मी और जनजाति शोधार्थी राम कुमार वर्मा ने पारधियों की शिल्प कला को शासन द्वारा राजकीय, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया है। साथ ही स्थानीय लोगों, कलाप्रेमियों से अपील की है कि वे स्थानीय लोक शिल्पकारों के शिल्पों को त्योहारों के बहाने ही सही अपने लोक लोकों, कक्षों और घरों में अवश्य सम्मानजनक स्थान दें।

सालों से शहरों में आकर बेच रहे अपनी धरोहरों को सजाकर

छत्तीसगढ़ के पारधियों का ज्यादातर निवास दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, सुपेला, भिलाई 03, रिंगनी, नंदौरी, कुम्हारी, रायपुर, बेमेतरा, धमधा, गंडई, पाटन, अखरा, रानीतराई, सांकरा, थनौद, चिरपोटी, सिरसिदा आदि में है। मैं लोग शहरों में ऐसे कलाकृतियों, शिल्पों को परिवार सहित आकर बेचते हैं। वैसे भी यू लोग वर्ष भर झाड़, चटाई आदि बनाकर अपना रोजी-रोटी चलाते हैं। इसमें पुरुष लोग खेतों, नदियों किनारे से छिंद पित्तियां काट कश्यप लाने में सहयोग करते हैं। इस तरह से छत्तीसगढ़ के कला-शिल्पों विकास में परधियों का सीधा और उल्लेखनीय योगदान सुखद रुप से रेखांकित हो रहा है।

मिट्टी के दीयों की डिमांड आसपास के जिलों में भी

दुर्ग जिले के पारधियों द्वारा तैयार किए गए दीयों की डिमांड राजनांदगांव, बालोद, बेमतरा, कवर्धा, रायपुर, मुंगेली तक है। इन जगहों पर भी कुम्हारों की यह कला पहुंच रही है। पारंपरिक तरीकों से तैयार इन उत्पादों की बाजार में भी खासी डिमांड है। विशेषकर पुराने लोग इन सामानों को खरीदते हैं और घरों में सजावट के रूप में इस्तेमाल करते हैं। माता लक्ष्मी की पूजा भी इन आकर्षक कलाओं से ही करते हैं। इससे एक ओर जहां कला और संस्कृतिक को संजोकर रख पाना संभव हो पा रहा है। वहीं पारधियों को आर्थिक रूप से मजबूती मिल रही है।

सिटी इवेंट

लोक मंच पंडवानी रिंगनी के राजकुमार अध्यक्ष निर्वाचित

भिलाई। पद्मश्री स्व. पूनाराम निषाद द्वारा स्थापित संस्था लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी का वर्ष 2024-29 के लिए पंचवार्षिक चुनाव पर्यवेक्षक ओमप्रकाश निषाद, मुख्य चुनाव अधिकारी राम कुमार वर्मा एवं सह चुनाव अधिकारी गौतम साहू के निर्देशन मे विधि पूर्वक कार्यालय रिंगनी में सम्पन्न हुआ। चुनाव प्रारंभ के पूर्व पंडवानी समिति के समस्त सदस्यगणों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना एवं पद्मश्री स्व. पूनाराम निषाद के प्रतिमा पर पुष्प एवं तिलक लगाकर श्रद्धांजलि अर्पित पश्चात सभी सदस्यों का गुलाल लगाके स्वागत किया गया। चुनाव के पूर्व पर्यवेक्षक ओम प्रकाश निषाद द्वारा चुनाव दिशा निर्देश की जानकारी प्रस्तुत किया। चुनाव प्रारंभ करते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी राम कुमार वर्मा ने प्रत्याशीयों से नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ किया। सभी पद निर्विरोध घोषित किए गए।

इन पदाधिकारियों का हुआ निर्वाचन

निर्विरोध निर्वाचित होने वालों में राजकुमार पांडेय जामुल अध्यक्ष, हेमलाल साहू सुरजीडीह उपाध्यक्ष, रोहित निषाद रिंगनी सचिव, सुन्दर लाल पटेल लिमतरा, ओमप्रकाश निषाद मोहलाई कोषाध्यक्ष, टोमिन बाई निषाद कोकड़ी महिला सचिव, कीर्ति निषाद रिंगनी कार्यालय सचिव, ओमप्रकाश सर्पा सनौद अंकेक्षक, श्रीराम निषाद सनौद प्रचार सचिव, जगन्नाथ निषाद कुम्हारी कार्यक्रम अधिकारी, राम कुमार वर्मा भिलाई मिडिया प्रभारी एवं चेतन लाल देवांगन पाहंदा निर्वाचित हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी रामकुमार वर्मा ने कहा कि लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी के समस्त नव निर्वाचित पदाधिकारी अपनी पद का निर्वाह करते हुए समिति को उच्च शिखर पर ले जाएं और समिति के उद्धेश्यों पर खरा उतरें। पद्मश्री पूनाराम निषाद का नाम रोशन करें। कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश निषाद ने 5 दिसम्बर को समिति द्वारा आयोजित ग्राम कोड़िया दुर्ग मे पंडवानी मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पर प्रकाश डाला।

त्रिवेणी जैन तीर्थ पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 6 में भव्य आयोजन

गूंजा महावीर स्वामी का जयकारा, निर्वाण दिवस पर चढ़ाए गए 2551 से ज्यादा लाड़ू

भिलाई। 1008 भगवान महावीर स्वामी के 2551 वें निर्वाण दिवस पर त्रिवेणी जैन तीर्थ पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर-6 में शनिवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भजन-कीर्तन और अन्य संस्कार के बीच भगवान को शक्कर के बने लाड़ू चढ़ाए गए। श्रद्धा से लोगों ने दो से पांच की संख्या में लाड़ू चढ़ाए। समाज के लोगों ने बताया कि 2551 वें निर्वाण दिवस समारोह को ध्यान रखते हुए कम से कम 2551 लाड़ू अवश्य चढ़ाने का निर्णय लिया गया था। प्रतिमा में स्वर्ण और चांदी के कलशों से भक्तों ने अभिषेक किया। इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी की अष्टधातु की 37 इंच की प्रतिमा पर चांदी के कलश से शांति धारा किया। पारसनाथ दिगंबर जैन महासभा के उपाध्यक्ष एवं प्रचार प्रसार प्रभारी प्रदीप जैन के साथ प्रमोद, अरुण, अक्षत जैन ने शांतिधारा किया। इस अवसर पर अष्टधातु के तीन प्रतिमा के शांति धारा करने वालों में देवेंद्र, वरुण जैन, ज्ञानचंद बाकलीवाल, भारत जैन, विकास छाबड़ा, डॉ. अंशुल जैन, मितेश बाकलीवाल, प्रशांत जैन शामिल थे।

महिलाओं ने भी चढ़ाया लाड़ू

इस अवसर पर भगवान महावीर स्वामी के 2551 निर्वाण दिवस पर हजारों भक्तों ने भगवान महावीर स्वामी के भक्ति भाव के साथ दीपावली के पावन अवसर पर संपूर्ण त्रिवेणी जैन तीर्थ खचाखच भरा हुआ था।

जहां भगवान महावीर स्वामी के जयकारा के साथ निर्वाण लाड़ू सैकड़ों महिलाओं के साथ पारसनाथ मंदिर में डॉ. जिनेंद्र सुषमा जैन, चंपा सुनील जैन, जैन पाठशाला के बच्चे पंकज जैन, रजनीश जैन, साधना जैन, सुनीता बाकलीवाल, प्रशांत जैन, सोमेश बाकलीवाल, संरक्षक प्रवीण छाबड़ा, मुकेश जैन, संजीव जैन, सीपी जैन आदि ने मंगल अभिषेक के साथ पूजन कर निर्वाण लाड़ू भक्तों को अर्पण किया।

गौतम स्वामी के ज्ञान प्राप्ति पर मंगलदीप जलाए

इस अवसर पर शाम के समय सैकड़ों भक्तों ने पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गौतम गंधर स्वामी के केवल ज्ञान प्राप्ति पर मंगलदीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर आदिनाथ भगवान का अभिषेक किया गया। इस अवसर पर ज्ञानचंद बाकलीवाल, ललिता देवी, डॉ. ऋषभ जैन सहित अन्य मौजूद थे। मंच संचालन पंडितों के साथ प्रशांत जैन ने किया। पूजन के बाद दीपावली मिलन पर स्वल्पाहार का आयोजन किया गया समाज के सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में जैन मिलन जैन ट्रस्ट, जैन महिला क्लब के सदस्यों के साथ महावीर प्रकाश जैन, दीपचंद जैन, विशाल शाह, अनुपम जैन, संतोष जैन, संजय चतुर, विमल जैन, कमल जैन आदि उपस्थित थे। आयोजन में दुर्ग-भिलाई के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और अन्य जिलों के लोग भी शामिल हुए।

सिटी इवेंट

उदय भानु पहुंचे भिलाई, संगठन गतिविधियों की ली जानकारी

भिलाई। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु एक दिन पहले रायपुर पहुंचे। जहां वे राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इसके बाद राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद शाहिद के सेक्टर-1 स्थित निवास पहुंचे। इस दौरान उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों से मुलाकात की। संगठन की गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव कोको पाढ़ी, प्रदेश प्रभारी शेष नारायण ओझा सहित अन्य उपस्थित थे। मोहम्मद शाहिद ने बताया कि उनके आग्रह पर राष्ट्रीय अध्यक्ष उनके निवास पहुंचे थे। जानकारी के बाद पदाधिकारी भी उनसे मिलने पहुंचे। इस दौरान समर्थकों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। शाहिद ने बताया कि चर्चा के दौरान संगठन स्तर पर भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ उग्र आंदोलन की तैयारी की जा रही है। जल्द की तारीख और स्थान तय किया जाएगा।

समारोह

स्थापना दिवस: दलितों के हित में किया काम अमरजीवी रामुलु को तेलुगु समाज ने किया याद

भिलाई। आंध्रप्रदेश स्थापना दिवस पर भिलाई तेलुगु समाज ने अमरजीवी के नाम से विख्यात क्रांतिकारी पोट्टी श्रीरामुलु की स्मृति में कैम्प-1 के श्रीरामुलु चौक में समारोह आयोजित किया। तेलुगु समाज ने आंध्रप्रदेश स्थापना दिवस के साथ-साथ पृथक छत्तीसगढ़ के 24 वर्ष पूर्ण होने का भी जश्न मनाया। इस चौक पर 23 साल पहले राज्य के तत्कालीन राज्यमंत्री बदरुद्दीन कुरैशी के सहयोग से आंध्रप्रदेश के प्रणेता श्रीरामुलु की प्रतिमा स्थापित की गई थी। तबसे हर साल 1 नवंबर को यहां स्थापना दिवस समारोह मनाया जाता है।इस अवसर पर अध्यक्ष बी जोगाराव ने अलग राज्य को लेकर उनके द्वारा किए गए संघर्ष को याद करते हुए कहा कि आंध्रप्रदेश पहले मद्रास राज्य का हिस्सा था। मद्रास राज्य से पृथक आंध्रप्रदेश की मांग को लेकर पोट्टी श्रीरामुलु ने आमरण अनशन किया था। अनशन के 58 वें दिन उनकी मृत्यु हो गई। अलग राज्य की मांग को लेकर दी गई उनकी प्राणाहुति से राष्ट्रव्यापी आक्रोश इतना भड़का कि तीन दिनों बाद ही पृथक आंध्रप्रदेश का गठन कर दिया गया। इस तरह भाषा के आधार पर 01 नवंबर 1956 को आंध्रप्रदेश भारत का पहला राज्य बना, जिसका श्रेय श्रीरामुलु को जाता है।

राष्ट्रहित व दलितों के उत्थान के लिए किया काम

समारोह की शुरुआत श्रीरामुलु की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इस मौके पर महासचिव बी तुलसीराव, पूर्व पार्षद जे कोर्माराव, विधायक प्रतिनिधि डी कामराजू रेड्डी एवं टी डिल्लीराव, मीडिया प्रभारी टी सहदेव तथा छग तेलुगु महासंघ के संयोजक एल रुद्रमूर्ति ने अलग राज्य और दलितों के उत्थान को लेकर महान क्रांतिकारी नेता रामुलु द्वारा चलाए गए देशव्यापी अभियान का जिक्र किया। समारोह का संचालन संयोजक एम बाबूराव ने किया। महासचिव वाई भास्कर राव ने आभार जताया। समारोह में टी लोकनाथ, पी मुरहरी, एसटी नारायण, के राजेंद्र, एमके राव, के यर्रन्ना, टी गुन्नाराव, एल चैतन्या, जी ईश्वर राव, के वेंकटराव, टी वेंकट रेड्डी, ई तुलसीदास समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

राधा-कृष्ण मंदिर में हुआ आयोजन

अन्नकूट पर मूंग, चावल, बाजरे की खिचड़ी का चढ़ाया प्रसाद

भिलाई। श्री राधाकृष्ण मंदिर में अन्नकूट उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से मंदिर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य रूप से भजन-कीर्तन किया गया। इसके बाद अन्नकूट का भोग लगाया गया। इसमें मुख्य रूप से मूंग, चावल, कड़ी, बाजरे की खिचड़ी के प्रसाद का भोग लगाया गया। साथ ही खीर-पूड़ी और मिक्स वेज की सब्जी भी चढ़ाई गई। इसके बाद भंडारा का आयोजन किया गया। इसमें 1 हजार से ज्यादा लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सेवा शुल्क लेकर टिफिन के माध्यम से प्रसाद का वितरण किया गया। राधाकृष्ण मंदिर सेवा समिति न्यू खुर्सीपार के निवासियों द्वारा दशकों से मंदिर में गोवर्धन पूजा के दिन अन्नकूट प्रसाद के भोग की व्यवस्था की गई थी। इस बीच भजन मंडली द्वारा भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया गया।

समाज इवेंट

दीपावली पर घर-आंगन में सजी रंगोली, लोगों ने सराहा

भिलाई। दिवाली पर घर-आंगन में भी रंगोली सजाई गई। हर आंगन में युवतियों और महिलाओं ने आकर्षक रंगोली बिखेरी। सेक्टर एरिया से लेकर प्राइवेट कालोनियों में दो दिनों से रंगोली बनाने का दौर चला। माता लक्ष्मी और भगवान श्री कृष्ण से जुड़ी रंगोली सबसे ज्यादा दिखी। इसके अलावा मोर, कमल फूल की आकृति वाली रंगोली भी लोगों ने खूब पंसद की। लोग अपने परिवार सहित एक दूसरे के आंगन में बनी रंगोली को देखने पहुंचे। एक दूसरे की तारीफ कर दिवाली पर्व की बधाईयां दी गई। दीपक की रौशनी से जगमगाती रंगोली और भी शोभा बढ़ा रही थी। कई मोहल्लों की स्थानीय समितियों द्वारा इस पर्व पर सबसे ज्यादा आकर्षक रंगोली बनाने वालों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी बांटे गए।

जनसमर्पण सेवा संस्थान का दिवाली मिलन समारोह

दिवाली पर खुशियों वाला गिफ्ट... भावुक हुए वृद्धाश्रम के बुजुर्ग, जरुरत के सामान बांटे

कार्नर न्यूज

दुर्ग। दीपावली पर जनसमप्रण सेवा संस्था द्वारा गरीब और जरुरतमंदों के बीच दिवाली मनाई गई। संस्था के कार्यकर्ता वृद्धाश्रम पुलगांव पहुंचे। जहां बुजुर्गों को जरुरत के सामान बांटे, उनके साथ समय बिताया। इस दौरान नए कपड़े, पटाखे, मिठाई, नमकीन, साबुन, निरमा, बिस्किट, चॉकलेट का वितरण किया गया। बता दें कि संस्था ने दिवाली पर खुशियों वाला गिफ्ट अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत 28 अक्टूबर के बाद से अलग-अलग दिन गरीब, जरुरतमंदों की मदद की गई। मुख्य रूप से वृद्धाआश्रम, अनाथ हॉस्पिटल बाल आश्रम, मंदबुद्धि स्कूल, दुर्ग स्टेशन, समृद्धि बाजार के पास, बस स्टैंड एवं शहर के अन्य स्थानों में जीवनयापन कर रहे गरीब, असहाय, महिलाएं, बुजुर्गों की मदद की गई।

700 से ज्यादा गरीब और जरुरतमंदों के साथ मनाई दिवाली

संस्था के सदस्यों ने सात दिनों में करीब 700 गरीब और जरुरतमंदों के साथ दिवाली मनाई। इसमें 500 से अधिक गरीब बच्चे, 150 से अधिक महिलाएं, करीब 100 बुजुर्ग शामिल थे। बता दें कि जनसमर्पण संस्था द्वारा पिछले कई वर्षों से बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मंदिरों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर जरुरतमंदों को भोजन कराया जाता है। संस्था द्वारा इसके एवज में किसी प्रकार का पैसा नहीं लिया जाता। हफ्ते के सातों दिन यह सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा त्योहार के दिनों में मिठाई, पूड़ी और सब्जी भी बांटी जाती है।उन्हें नए कपड़े, मिष्ठान, नमकीन, रंगीन फटाखे बांटे गए। संस्था के प्रमुख बंटी शर्मा ने कहा कि देश में गरीब बच्चों का मन भी दिवाली में पटाखे जलाकर मिठाई खाने का होता है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण ऐसे घरों के बच्चे अपना मन मार कर रह जाते हैं।

हर साल चलाया जा रहा अभियान, लोगों की मदद की जा रही

संस्था द्वारा पिछले कुछ वर्षों से लगातार मदद की जा रही है। बंटी शर्मा ने बताया कि अब से पहले आसमान में छूटने वाले पटाखों को देखकर ही गरीब बच्चे खुश हो जाते थे, लेकिन इस बार दुर्ग जिले में जन समर्पण सेवा संस्था, ऐसे गरीब बच्चों एवं बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने के लिए उनकी बस्ती, फुटपाथ, आश्रम और मोहल्ले तक पहुंच रही है। संस्था द्वारा इस वर्ष की दीपावली पर्व पर जरूरतमंदों की खुशियों की दीपवाली सप्ताह बना रही है। इसमें जिले के गरीब बच्चों एवं जरूरतमंदों को नए कपड़े, पटाखे, मिठाई, नमकीन, साबुन, निरमा, बिस्किट, चॉकलेट का वितरण किया गया।

सेवा सप्ताह के चौथे दिन पहुंचे वृद्धाश्रम

जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि जरूरतमंदों के साथ खुशियों की दीपावली सप्ताह के चौथे दिवस संस्था द्वारा दुर्ग वृद्धाआश्रम में निवास कर रहे बुजुर्गों में महिलाओं को नई साड़ी, पुरुषों को नया कुर्ता पैजामा एवं सभी बुजुर्गों को खुशियों की दीवाली बनाने हेतु मिष्ठान, नमकीन, बिस्किट, प्लास्टिक बर्तन, साबुन, निरमा एवं अन्य जरूरत की सामग्री वितरण किया गया। इस अवसर पर पायल जैन, आशीष मेश्राम, रूपल गुप्ता, प्रतिभा पुरोहित, अर्जित शुक्ला, महेंद्र साहू प्रकाश कश्यप सुजल शर्मा राजेन्द्र ताम्रकार अख्तर खान मृदुल गुप्ता दद्दू ढीमर रिषी गुप्ता मोहित पुरोहित खुश चन्की मनहरे किशन चौरसिया आदि मौजूद थे।

सिटी स्पोर्ट्स

रेलवे सुरक्षा बल की राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में परेड प्रस्तुत की 15 दलों के 239 प्रतिभागियों ने

रायपुर। एन.ई. इंस्टीट्यूट फुटबाल ग्राउंड, बिलासपुर में 13 वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बैंड प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि मुनव्वर खुर्शीद, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेसुब,दक्षिण पुर्व मध्य रेलवे और विशिष्ट अतिथि मोहम्मद साकिब उपमहानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेसुब,वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त,रेलवे सुरक्षा बल बिलासपुर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा बल सदस्यों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर विभिन्न रेलवे जोन के 15 दलों के 239 प्रतिभागियों ने परेड प्रस्तुत की। यह प्रतियोगिता 04 नवंबर तक चलेगी एवं इसमें चयनित टीम 16 नवंबर से दीमापुर, नागालैंड में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया पुलिस बैंड प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

महिला क्रिकेट चैलेंजर ट्रॉफी में टीम ए का कब्जा

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा महिला अंडर-19 टी 20 चैलेंजर ट्राफी 2024-25 का आयोजन 24 अक्टुबर से रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी है। प्रतियोगिता में 30 अक्टुबर को फायनल मैच खेले गये। तीसरे स्थान हेतु मैच में टीम डी ने टीम बी के विरुद्ध टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर टीम डी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 91 रन बनाये। टीम डी की ओर से मिथिला विनोद ने 29 रन तथा अक्षिता भगत ने 13 रनों का योगदान दिया। टीम बी की ओर से अनादी तथा विधि ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। 92 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम बी ने 17.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर 92 रन बनाकर मैच जीत लिया। टीम बी की ओर से त्रिशा ने 42 रन तथा प्राप्ति ने 19 रन बनाये। टीम डी की ओर हैप्पी, मिथिला तथा गायत्री ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। टीम बी ने 7 विकेट से मैच जीत लिया। फायनल मैच में टीम सी तथा टीम ए के बीच कड़ा मुकाबला रहा। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में टीम ए ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 3 विकेट खोकर 136 रन बनाये। टीम ए की ओर से निकी प्रसाद ने 46 रन नाबाद तथा इरा जाधव ने 40 रनों का योगदान दिया। टीम सी की ओर से जोषिता, बिदिशा तथा वैष्णवी ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। 137 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम सी ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 112 रन ही बना पायी। टीम सी की ओर से अंनदिता ने 21 रन बनाये। टीम ए की ओर से हुर्ले गाला ने 3 विकेट प्राप्त किये। टीम ए ने 24 रनों से मैच जीत लिया तथा ट्राफी पर कब्जा किया।

इंटर यूनिवर्सिटी टेनिस में रविवि की महिला टीम ने जीता सिल्वर

रायपुर। इस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी टेनिस चैंपियनशिप भुवनेश्वर में आयोजित की गई। जिसमे पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की महिला टीम ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।.महिला टीम कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (कीट) यूनिवर्सिटी से 2-1से फाइनल में परास्त हो गयी। वहीं पुरुष वर्ग में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की टीम ने जाधवपुर विश्वविद्यालय हावड़ा को परास्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया। टीम को विश्वविद्यालय की स्पोर्ट्स डायरेक्टर डॉक्टर रीता वेणु गोपाल और सीनियर कोच रूपेन्द्र सिंह चौहान ने बधाई ही है।

ऑल इंडिया नॉक आउट फुटबॉल चैंपियनशिप 7 नवंबर से जगदलपुर में

रायपुर। डीएफए बस्तर की मेज़बानी में आगामी 7 से 17 नवंबर तक आल इंडिया नॉक आउट फुटबॉल चैंपियनशिप जगदलपुर में आयोजित किया जा रहा है। आल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन व राज्य संघ की अनुमति से आयोजित हो रहे इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीम अभी तक रजिस्टर्ड हो चुके है। सभी मुकाबले इंदिरा प्रियदर्शनी स्टेडियम में खेले जायेंगे।

त्यौहार के माहौल में अक्सर पेट की गड़बड़ी हो सकती है, राहत जरूरी

खान-पान में गड़बड़ी से बिगड़ गया है पाचन तो इन आसान उपायों से पा सकते हैं आराम

दिवाली का उत्सव मिठाइयों और लजीज खान-पान के बिना अधूरा है। हालांकि मीठे, तले हुए और मसालेदार खाद्य पदार्थ पाचन तंत्र में गड़बड़ी और कई प्रकार की अन्य दिक्कतों को बढ़ाने वाले माने जाते हैं। दिवाली के दौरान खाने में बदलाव और अधिक तले-भुने या मीठे खाद्य पदार्थों के सेवन से पेट में गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। अगर आप भी इस तरह की दिक्कतों से परेशान हैं तो घबराएं नहीं, कुछ आसान से उपायों की मदद से इसमें आराम पाया जा सकता है। दिवाली के बाद अक्सर लोग कुछ तरह की स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत करते हैं, इनमें पटाखों और प्रदूषण के कारण सांस की दिक्कत और गड़बड़ खानपान की वजह से पेट फूलने, अपच, पेट में दर्द जैसी समस्याएं आम हैं। आइए कुछ आसान उपायों के बारे में जानते हैं जिनकी मदद से आप आराम पा सकते हैं।

खानपान में गड़बड़ी का पाचन पर असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दिवाली के जश्न के बीच अपनी सेहत को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है। अगर आप दिवाली के बाद पाचन समस्याओं को लेकर परेशान हैं तो इसके लिए डॉक्टर ने कुछ उपाय बताए हैं जिससे आपको लाभ मिल सकता है। खाने-पीने की आदतों को ध्यान में रखकर, संतुलित आहार का सेवन, शरीर को हाइड्रेटेड रखना और स्वस्थ जीवनशैली के विकल्पों को अपनाना अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। आइए जानते हैं कि पेट से संबंधित समस्याओं में किन उपायों से आराम पाया जा सकता है?

हल्का और सुपाच्य भोजन करें

दिवाली के बाद एक-दो दिन हल्का और सुपाच्य भोजन करें। दलिया, मूंग दाल खिचड़ी, उबली हुई सब्जियां या सूप जैसी चीजें पचाने में आसान होती हैं और पेट को आराम देती हैं। आहार में दही और छाछ को जरूर शामिल करें। इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो गुड बैक्टीरिया का संतुलन बनाए रखते हैं और पाचन को बेहतर करते हैं। एक कटोरी दही खाने से अपच में आराम मिल सकता है।

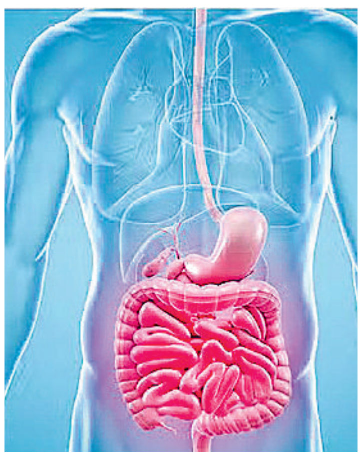

शरीर को हाइड्रेट रखना और गर्म पानी पीना लाभकारी

पाचन की दिक्कतों के लिए डिहाइड्रेशन को एक बड़ा कारण माना जाता रहा है। इसलिए जरूरी है कि आप दिनभर में कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पिएं। गर्म या गुनगुना पानी पीना आपके लिए और भी लाभकारी हो सकता है। दिन में कई बार थोड़ा-थोड़ा गुनगुना पानी पिएं। यह पाचन में सुधार करता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। एक गिलास गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पिएं। पेट को साफ करने और पाचन क्रिया को बढ़ावा देने में ये बहुत फायदेमंद माना जाता है।

ये घरेलू उपाय भी हैं फायदेमंद

पाचन की दिक्कतों में आराम पाने के लिए अजवायन का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके सेवन से अपच और गैस की समस्याओं में आराम मिलता है। इसी तरह से अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट की सूजन और अपच को कम करने में सहायक होते हैं। खाने के बाद सौंफ और मिश्री चबाना पाचन के लिए फायदेमंद होता है।

घर पर देसी घी बनाना है तो ये आसान तरीका जान लें, दूर से ही आएगी खुशबू

त्योहारों में हर घर में तमाम तरह के पकवान बनते हैं। ज्यादातर चीजों को पकाने के लिए देसी घी का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ये जरूरी नहीं है कि आपको बाजार में शुद्ध देसी घी मिले। मिलावट वाला घी खाकर स्वास्थ्य खराब होने का डर रहता है।

अगर आप भी त्योहारों के सीजन में बाजार से घी नहीं खरीदना चाहते तो यहां हम आपको घर पर ही मलाई से घी बनाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। ताकि आप भी शुद्ध देसी घी घर पर तैयार कर सकें और इससे स्वादिष्ट पकवान बनाकर उसका लुत्फ उठा सकें।

विधिः मलाई से घी बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए लगभग आधा किलो मलाई को इकट्ठा करें। इसके लिए आप हर दिन दूध के ऊपर जमी मलाई की परत को उतार पर

कटोरे में रख सकते हैं। इसे फ्रिज में रखें, ताकि ये खराब न हो। जब आपके पास पर्याप्त मात्रा में मलाई इकट्ठी हो जाए तब घी बनाने की प्रक्रिया शुरू करें। इसके लिए पहले मलाई को फ्रिज से निकालकर बाहर रख दें, ताकि ये सामान्य तापमान पर आ जाए।

अब एक भगोने में मलाई को डालें और उसे मथते हुए धीरे-धीरे ठंडा पानी डालें। थोड़ी देर बाद सफेद मक्खन और मट्ठा अलग हो जाएगा। इसके बाद इस मक्खन को निकालकर एक भारी तले वाली कढ़ाई में डालकर गैस पर चढ़ा दें। ध्यान रखें कि गैस हल्की होनी चाहिए।

इसके बाद मक्खन धीरे-धीरे पिघलने लगेगा और उसमें से झाग उठने लगेगा। मक्खन को तब तक पकाते रहें जब तक कि झाग कम न होने लगे और मक्खन सुनहरा रंग न ले ले। धीरे-धीरे मक्खन से पानी भाप बनकर उड़ जाएगा और घी नीचे रह जाएगा।

जब घी से मीठी महक आने लगे और उसका रंग हल्का सुनहरा हो जाए, तब इसे आंच से उतार लें। अब घी को एक साफ मलमल के कपड़े या छलनी से छान लें ताकि घी इसमे बचे ठोस पदार्थ से अलग हो जाए।

इस घी को एक साफ कांच के जार या स्टील के बर्तन में स्टोर करें। इसका इस्तेमाल आप आने वाले त्योहारों में कर सकती हैं।

राहु का रत्न गोमेद धारण करने से पहले जानें जरूरी सावधानी

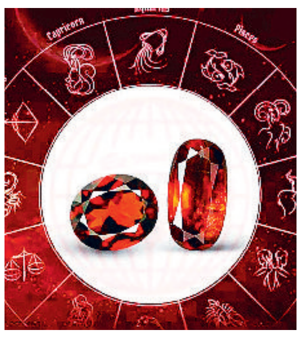

रत्न शास्त्र में सभी रत्नों के बारे में विस्तार से बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि राशि के अनुसार रत्नों को धारण करने से व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलते हैं। अब ऐसे में गोमेद रत्न किसे नहीं पहनना चाहिए। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

रत्न शास्त्र वेद और ज्योतिष में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। रत्न शास्त्र के अनुसार, हर ग्रह का एक विशिष्ट रत्न होता है और इन रत्नों को धारण करने से ग्रहों के शुभ प्रभाव बढ़ सकते हैं और अशुभ प्रभाव कम हो सकते हैं।

रत्न धारण करने से व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं अगर आप रत्न धारण कर रहे हैं, तो इनके नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। वरना व्यक्ति को अशुभ परिणाम भी झेलने पड़ सकते हैं। अब ऐसे में किन लोगों को राहु का रत्न गोमेद धारण करने से बचना चाहिए। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

मेष राशि वाले न पहनें गोमेद रत्न

मेष राशि के स्वामी ग्रह मंगल है। मंगल को युद्ध का देवता भी कहा जाता है। इसीलिए मेष राशि वाले लोग आमतौर पर ऊर्जावान, साहसी और नेतृत्व करने वाले होते हैं। मंगल ग्रह उनके व्यक्तित्व में आत्मविश्वास, दृढ़ता और उत्साह भरता है। वहीं इस राशि के जातकों को भूलकर भी गोमेद रत्न पहनने से बचना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि गोमेद रत्न का संबंध राहु ग्रह से है और मेष राशि वाले अगर इसे धारण करते हैं, तो अशुभ परिणाम मिल सकते हैं।

कर्क राशि वाले न पहनें गोमेद रत्न

चंद्रमा को भावनाओं, मन, घर और परिवार का कारक माना जाता है। इसीलिए कर्क राशि के लोग भी भावुक, संवेदनशील और परिवार प्रेमी होते हैं। चंद्रमा का प्रभाव कर्क राशि पर बहुत गहरा होता है और यह उनके स्वभाव, व्यवहार और जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करता है।

प्रदूषण से सांस लेने में हो रही है मुश्किल, राहत के लिए उठाएं कदम

दिवाली के त्योहार के बाद अक्सर प्रदूषण बढ़ जाता है। पटाखों की वजह से हवा प्रदूषित हो जाती है। बात अगर दिल्ली-एनसीआर की करें, तो यहां इस वक्त भी एयर क्वालिटी काफी खराब है और प्रदूषण की वजह से सांस संबंधी दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। यहां तक कि हेल्थ एक्सपर्ट, मॉर्निंग वॉक से भी बचने के लिए कह रहे हैं। जब हवा प्रदूषित होती है, तो सांस लेने में अक्सर मुश्किल होती है। वहीं, जिन लोगों को पहले से सांस संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें अपना खास ख्याल रखना चाहिए। अगर दिवाली के बाद आप बढ़े हुए प्रदूषण से परेशान हैं और इसकी वजह से सांस लेने में मुश्किल हो रही है, तो एक्सपर्ट के बताए टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं। इस बारे में डॉक्टर मीनाक्षी मोहन जानकारी दे रही हैं। प्रदूषण की वजह से सांस लेने में हो रही है मुश्किल, एक्सपर्ट के बताए ये टिप्स करेंगे मदद

एक्सपर्ट का कहना है कि वायु प्रदूषण सुबह और शाम के वक्त सबसे अधिक होता है। ऐसे में इस समय पर ज्यादा से ज्यादा घर पर रहने की कोशिश करें। अगर आप बाहर कम निकलेंगी, तो हवा में मौजूद प्रदूषण के कणों से आप खुद को बचा पाएंगी। घर में एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें। इसने घर में अंदर मौजूद एलर्जिक और प्रदूषण फैलाने वाले कण दूर होते हैं। इस तरह के फिल्टर्स घर के अंदर की हवा को साफ रखने में मदद कर सकते हैं। घर के अंदर, ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। इससे लंग्स को

मजबूती मिलती है और सांस संबंधी दिक्कतें कम होती हैं। ब्रीदिंग एक्सरसाइज और प्राणायाम, श्वसन तंत्र को मजबूती देते हैं। योगा या और कोई भी एक्सरसाइज बाहर न करें। हवा में मौजूद प्रदूषण की वजह से इससे सांस संबंधी तकलीफ बढ़ सकती है।

जब भी बाहर निकलें, N95 या N99 रेटिंग वाला मास्क पहनें। इससे प्रदूषण के छोटे-छोटे कण भी नाक में पहुंचने से बचाव होता है। सही खान-पान के साथ, अपनी इम्यूनिटी को मजबूत करें। डाइट में एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें जैसे फल, सब्जियां और नट्स लें। इससे एयर पॉल्युशन की वजह से होने वाले ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने और श्वसन तंत्र की हेल्थ को सुधारने में मदद मिलती है। प्रदूषण की वजह से अगर आपको सांस लेने में मुश्किल हो रही है, तो एक्सपर्ट के बताए ये टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं।

बढ़ता प्रदूषण का स्तर

दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण आम लोगों को परेशानी हो रही है। दीपावली के बाद हालात और भी बिगड़ने की आशंका है। स्वास्थ्य विशेषज्ञो ने कहा, बढ़ता प्रदूषण सेहत के लिए काफी चुनौतीपूर्ण स्थितियां पैदा कर सकता है, इसलिए बचाव के उपाय करते रहना सभी के लिए बहुत जरूरी है। दिल्ली स्थित एक निजी अस्पताल में श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ अमरकांत द्विवेदी कहते हैं, जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से एक्यूआई 300 के पार 'बहुत खराब' स्तर की बनी हुई है।

कार्नर न्यूज

काम के दवाब और स्ट्रेस से असहज महसूस होना स्वाभाविक प्रक्रिया

वर्क और पर्सनल लाइफ के बीच ऐसे बनाएं बैलेंस, स्ट्रेस की हो जाएगी छुट्टी

पर्सनल लाइफ और वर्क के बीच बैलेंस बनाना बहुत जरूरी है। अक्सर काम के दवाब और स्ट्रेस से बहुत असहज महसूस होता है। यह व्यक्तियों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करता है। ऐसे में, यहां पॉजिटिव बदलावों के साथ काम को मैनेज करने के कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिसे आप भी फॉलो कर सकते हैं। करियर में सफल होने की इच्छा हर व्यक्ति में होती है। हालांकि इसी सफलता के पीछे भागते-भागते कब हम काम और निजी जीवन के बीच की लकीर को मिटा देते हैं, पता ही नहीं चलता। इसका एहसास तब होता है, जब काम के चक्कर में हमारा निजी जीवन बुरी तरह से प्रभावित होने लगता है। इससे स्ट्रेस बढ़ता है और हम जाने-अनजाने कई बीमारियों का शिकार होते चले जाते हैं। स्ट्रेस और इसके कारण होने वाली बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि हम संतुलन बनाकर चलें। इसे मैनेज करने की कुछ टिप्स के बारे में आइए आर्टेमिस अस्पताल के प्रमुख मनोचिकित्सक और मानसिक स्वास्थ्य के डॉक्टर डॉ राहुल चंदोक से विस्तार से जानते हैं।

सीमाएं तय करें

काम और निजी जीवन के बीच स्पष्ट सीमा तय करना जरूरी है। आपको यह निर्धारित करना चाहिए कि कौन सा समय काम का है और कौन सा समय बाकी कामों के लिए। जैसे ही इस सीमा में घालमेल होना शुरू होता है, सारा संतुलन बिगड़ने लगता है। वर्क फ्रॉम होम के मामले में यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि इसमें अक्सर लोग काम और निजी जीवन के बीच सीमा का ध्यान नहीं रखते। याद रखें, भले ही आप घर से काम करें, लेकिन आपके शरीर को ब्रेक की जरूरत होती है। इसलिए खुद को ब्रेक दें और निर्धारित समय में ही काम करने की कोशिश करें।

टाइम मैनेज करना सीखें

टाइम को सही से मैनेज करना आपको स्ट्रेस से बचाता है। अगर आपका टाइम मैनेजमेंट सही न हो तो काम समय पर पूरा करना मुश्किल होता है। ऐसे में न केवल आपको ऑफिस टाइम के बाद भी काम करने की जरूरत पड़ती है, बल्कि काम पूरा न कर पाने का स्ट्रेस भी पीछा नहीं छोड़ता है। ऐसे में हर काम को पूरा करने का एक व्यावहारिक लक्ष्य तय करें और उसी सीमा के भीतर काम को पूरा करें। इससे अपने निजी समय में से आपको काम के लिए समय नहीं देना पड़ेगा।

काम में ज्यादा दक्ष बनें

काम और निजी जीवन के बीच संतुलन नहीं बना पाने की समस्या का सबसे ज्यादा सामना ऐसे लोगों को करना पड़ता है, जो अपने काम में दक्ष यानी इफिशिएंट नहीं होते हैं। आप काम में जितना दक्ष होंगे, समय से काम पूरा करना उतना ही संभव होगा। यही आपको संतुलन बनाने में मदद करेगा। दूसरों के काम में ताकझांक और मीन-मेख निकालने के बजाय अपने काम को बेहतर करें, जिससे आपके पास समय बचे और काम न पूरा होने का स्ट्रेस न रहे। साथ ही, कभी-कभी ना कहना भी सीखें। किसी भी सीनियर को इस तरह से अपना फायदा उठाने का मौका न दें कि आपके पास अपने लिए समय ही न बचे।

स्वास्थ्य पर दें ध्यान

काम अच्छी तरह से करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य भी जरूरी है। अपनी दिनचर्या में अच्छी आदतों को शामिल करें। आजकल की वर्कलाइफ में लोगों ने देर रात काम करने को आदत बना लिया है। इससे बचें। जो काम रात में पूरा करते हैं, उसे सुबह करने की आदत डालें और दिनचर्या सही रखें। सबसे अहम बात, अगर कोई प्रोजेक्ट पूरा हो जाए तो खुद को इनाम दें और कभी-कभार छुट्टी पर जाएं। किताबें पढ़ें, संगीत सुनें और जब मौका मिले, अपनी पसंद का कोई काम करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कमला हैरिस के समर्थन में आए लियोनार्डो ट्रंप को इसलिए नहीं देना चाहते वोट

अमेरिका में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार और मौजूदा उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप आमने-सामने हैं। इन चुनावों के मद्देनजर हॉलीवुड अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने कमला हैरिस को सपोर्ट किया है।

अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों की घड़ी नजदीक आ रही है। 5 नवंबर 2024 को राष्ट्रपति चुनाव है। कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों जोर-शोर से प्रचार में जुटे हैं और रैलियां कर रहे हैं। इस बीच लोकप्रिय अमेरिकी अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने कमला हैरिस का समर्थन किया है। उन्होंने यह वजह भी स्पष्ट की है कि वे कमला हैरिस को वोट क्यों देना चाहते हैं।

इस बार अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप प्रत्याशी हैं। अभिनेता लियोनार्डो ने कहा है कि वे चुनाव में कमला हैरिस को वोट देंगे। इसके लिए उन्होंने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति कमला हैरिस की संवेदनशीलता को वजह बताया है।

लियोनार्डो डिकैप्रियो बाकायदा एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी वीडियो अपलोड की है। वे हाल ही में तूफान हेलेन और तूफान मिल्टन से हुई तबाही का जिक्र करते दिख रहे हैं। डिकैप्रियो ने कहा कि 'जलवायु परिवर्तन पृथ्वी को खत्म कर रहा है और हमारी अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रहा है।

टॉलीवुड

'कैथी 2' के लिए तैयार लोकेश , कार्ति के साथ तस्वीर साझा कर दिया अपडेट

लोकेश कनगराज ने बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर के साथ खुद को तमिल सिनेमा के सबसे अधिक मांग वाले फिल्म निर्माताओं में से एक के रूप में स्थापित किया। निर्देशक ने अपनी प्रसिद्ध फिल्मों कैथी, विक्रम और लियो के साथ उद्योग में एक एक्शन सिनेमा ब्रह्मांड की सफलतापूर्वक स्थापना की। हाल ही में लोकेश कनगराज ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कार्ति अभिनीत 'कैथी' फिल्म के रिलीज के पांच साल पूरे होने पर दो बड़ी अपडेट साझा की। फिल्म निर्माता ने एक विशेष पोस्ट के साथ 'कैथी 2' की पुष्टि की और 'ऑरिजिंस ऑफ एलसीयू' शॉर्ट फिल्म पर एक बड़ा अपडेट दिया।

फिल्म निर्माता लोकेश कनगराज ने हाल ही में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर कार्ति के साथ एक विशेष तस्वीर साझा की, क्योंकि उन्होंने अपनी पहली ब्लॉकबस्टर 'कैथी' के पांच साल पूरे होने का जश्न मनाया। पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'यह सब यहां से शुरू हुआ। कार्ति सर, प्रभुदेवा सर और इसे संभव बनाने के लिए यूनिवर्स का आभारी हूं। दिल्ली जल्द ही वापस आएगी।' अब आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि 'कैथी 2 जल्द ही फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है।

इसके बाद में निर्देशक लोकेश कनगराज ने 'ऑरिजिंस ऑफ एलसीयू' का एक विशेष पोस्टर साझा किया, जो बहुप्रतीक्षित शॉर्ट फिल्म है, जो एक्शन थ्रिलर फ्रेंचाइजी के जन्म के पीछे की कहानी बयां करती है। पोस्ट साझा करते हुए लोकेश ने लिखा, 'एक शिक्षण अभ्यास, जिसके कारण 'एलसीयू की उत्पत्ति के लिए 10 मिनट की प्रस्तावना' तैयार हुई। चैप्टर जीरो अनलॉक।' नए अपडेट के अनुसार, शॉर्ट फिल्म के पहले अध्याय की 10 मिनट की प्रस्तावना जल्द ही सामने आने वाली है, जिसे 'चैप्टर जीरो' शीर्षक दिया गया है।

भोजपुरी

अग्नि परीक्षा की शूटिंग शुरू खेसारी हैं मुख्य भूमिका में

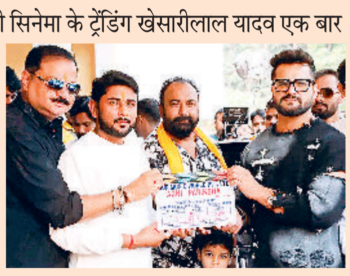

भोजपुरी सिनेमा के ट्रेंडिंग खेसारीलाल यादव एक बार फिर से दर्शकों को रोमांचित करने के लिए तैयार हैं, और इस बार वे नज़र आएंगे प्रसिद्ध निर्देशक लाल बाबू पंडित की अगली फिल्म ₹अग्नि परीक्षा₹ में। फिल्म का भव्य मुहूर्त हाल ही में संपन्न हुआ, जिसमें फिल्म जगत की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। अब इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। शूटिंग अमेठी के मुसाफिर खाना में चल रही है। सुर म्यूजिक पइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म के निर्माता सुरेंद्र यादव हैं। फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं जाने-माने निर्देशक लाल बाबू पंडित, जिन्होंने इससे पहले भी खेसारीलाल यादव के साथ मिलकर कई हिट दी हैं। डीओपी आर.आर. प्रिंस के कैमरे से सजी यह फिल्म तकनीकी रूप से भी दर्शकों को प्रभावित करेगी। इसको लेकर खेसारीलाल यादव ने फिल्म ₹अग्नि परीक्षा₹ को लेकर कहा, ₹मैं इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हूं। निर्देशक लाल बाबू पंडित के साथ काम करना हमेशा एक शानदार अनुभव होता है। फिल्म की कहानी और इसकी प्रस्तुतिकरण दर्शकों को ज़रूर पसंद आएगी। हम हर बार कुछ नया और बेहतर देने की कोशिश करते हैं, और इस बार भी दर्शकों को एक दमदार फिल्म मिलेगी। मुझे यकीन है कि 'अग्नि परीक्षा' दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाएगी।

भारत-मिस्त्र का संगम

लाइफ स्टाइल

हाल ही में फैशन स्कूल जयपुर में मिस्र पर केंद्रित विषय पर फैशन शो का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं ने मिस्त्र की संस्कृति के शानदार रंगों और डिजाइनों में अपने स्वयं के डिजाइन और सिले हुए परिधानों को पहनकर रैंप वॉक किया। भारत और मिस्त्र की संस्कृति का यह अनूठा संगम था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

चाहिए तत्काल ग्लो तो घर पर इन चीजों से तैयार करें ब्लीच

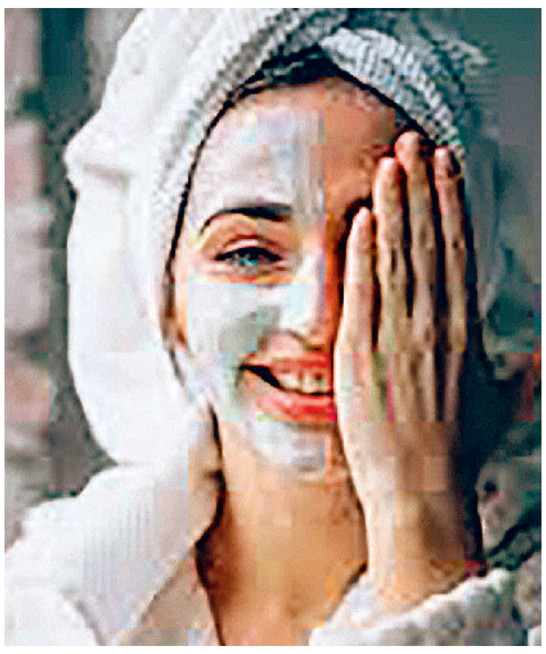

हर कोई ये चाहता है कि उसकी त्वचा हमेशा खिली-खिली रहे, इसके लिए लोग मौसम बदलने के समय तरह-तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। अक्सर इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए महिलाएं ब्लीच का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपको भी बाजार में मिलने वाले ब्लीच से डर लगता है तो आप घर पर ही इन चीजों का इस्तेमाल करके इंस्टेंट ग्लो पा सकती हैं। इसके लिए दो चम्मच ओट्स के पाउडर में आप दही और नींबू का रस मिलाकर पैक तैयार कर सकती हैं।

इससे आपके चेहरे की कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। इस पैक को तकरीबन बीस मिनट के लिए आपको चेहरे पर लगाना है, तभी जाकर आपको इसका फायदा मिलेगा। दो चम्मच शहद में अगर आप तीन से चार बूंद नींबू का रस डालकर इसका पैक तैयार करेंगी तो ये एक केमिकल रहित ब्लीच की तरह की काम करेगा। मसूर की दाल को रात भर भिगो कर रख लें।

इसके बाद सुबह इसको पीसकर इसमें नींबू का रस मिलाएं। हफ्ते में दो बार इसके इस्तेमाल से आपको नेचुरल ग्लो मिलेगा। पपीते के टुकड़े में नींबू का रस डालकर इससे चेहरे की मसाज करें। मसाज के दस से 15 मिनट बाद आप चेहरा धो लें। इससे आपको जरूर फायदा मिलेगा। संतरे के छिलके में पाए जाने वाले तत्व त्वचा की कई परेशानियों को दूर करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस संतरे के छिलके का पाउडर बनाकर इसमें शहद और दूध मिलाना है। इस पैक को आप हफ्ते में दो बार लगा सकते हैं।

यंगर लुक पाने अपनाएं ये हेयरस्टाइलिंग टिप्स

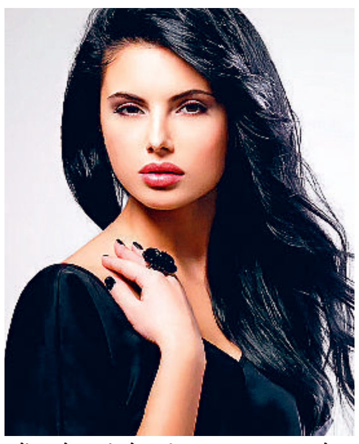

जब भी हम खुद को स्टाइल करती हैं तो ऐसे में अपने हेयरस्टाइल पर भी उतना ही ध्यान देती हैं। अमूमन हम एक ही तरह के हेयरस्टाइल बनाना पसंद करती हैं। लेकिन ऐसा करने से आपका लुक बोरिंग लगता है। साथ ही साथ, कई हेयरस्टाइल्स ऐसे होते हैं, जो देखने में तो अच्छे लगते हैं, लेकिन इससे आपकी उम्र अधिक लगने लगती है।

इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि हम अपने हेयरस्टाइल पर खासतौर पर ध्यान दें। ऐसे कई हेयरस्टाइलिंग टिप्स होते हैं, जो आपको यंगर लुक देते हैं। हालांकि, अधिकतर लोगों को इन टिप्स के बारे में पता ही नहीं होता है। अगर आपको ऐसा लगता है कि आपका लुक काफी बोरिंग हो गया है तो ऐसे में अपने लुक में चेंज करने के लिए और एक यंगर लुक पाने के लिए आप हेयरकट करवा सकती हैं। कोशिश करें कि आप ऐसा हेयरकट करवाएं, जो आपके फेस शेप के अनुसार हो, जिससे आपका लुक यंगर नजर आए। अगर आप ऐसा हेयरस्टाइल बनाना चाहती हैं, जो आपको यंगर लुक दे तो ऐसे में बैंग्स या फ्रिंज बनाएं। इन दिनों मार्केट में फेक बैंग्स मिलते हैं। आप इन्हें अपने रियल हेयर से भी बना सकती हैं। बैंग्स माथे की झुर्रियों को छिपाने के साथ-साथ एक यंगर लुक देते हैं। आजकल मार्केट में कई बेहतरीन व कलरफुल हेयर एसेसरीज जैसे हेडबैंड, क्लिप या स्कार्फ आदि मिलते हैं। जब आप हेयरस्टाइल बनाती हैं तो इन हेयर एसेसरीज को जरूर इस्तेमाल करें। इससे आपका लुक काफी अच्छा लगेगा।

करवाएं हेयर कलर

हेयर कलर आपके बालों का लुक पूरी तरह से बदल देता है। इसलिए, अगर आप एक यंगर लुक चाहती हैं तो ऐसे में हेयर कलर करवाना अच्छा विचार हो सकता है।

फैशन के इन नए रंग और ढंग में सुंदर लगेगी दुल्हन

दीपावली के तुरंत बाद शादियों का सीजन दस्तक दे रहा है और उससे पहले आपको जानना जरूरी है कि इस वर्ष ब्राइडल फैशन आपको क्या नए विकल्प देखने को मिलेंगे।

ब्राइडल आउटफिट्स के कलर

ब्राइडल आउटफिट्स में पहले लाल, गुलाबी, नारंगी, पीले आदि रंग को ट्रेडिशनल माना जाता था। वहीं अब व्हाइट, आइवरी, बेज आदि रंग भी ब्राइड्स को काफी लुभा रहे हैं, लेकिन अब ग्रे, ग्रीन, स्काई ब्लू आदि रंग भी ब्राइडल आउटफिट्स में खूब जच रहे हैं। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने भी अपने 2023-2024 ब्राइडल कलेक्शन में ग्रे कलर का काफी ग्रेसफुली प्रयोग किया है। साथ ही गोल्डन कलर के एंब्रॉयडरी वाले लहंगे भी आने वाले वक्त में ट्रेंड में नजर आएंगे।

लाल रंग को भी ब्राइडल आउटफिट्स में काफी देखा जा रहा है और मॉर्डन एंब्रॉयडरी के साथ यह रंग काफी अच्छा तालमेल बैठा रहा है। अगर बॉलीवुड फिल्मों की बात की जाए तो हालही में आई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में आलिया द्वारा पहले गए ऑरेंज लहंगे को भी युवतियों के मध्य काफी पसंद किया गया है। इस तरह के लहंगे में आपको बाजार में काफी वैरायटी देखने को मिल जाएगी। आप इसे ऑर्डर पर तैयार भी करा सकती हैं।

ब्राइडल आउटफिट्स को सजा रही हैं ये एम्ब्रॉयडरी

ब्राइडल आउटफिट्स पर अब ट्रेडिशनल सलमा-सितारों वाली एंब्रॉयडरी नहीं की जाती है। अब इसमें भी मॉडर्न टच दिया जा रहा है। इसके लिए मिरर और स्वरोस्की वर्क को इंडियन डिजाइनर कुछ ज्यादा ही तवज्जो दे रहे हैं और भला दे भी क्यों नहीं, ब्राइडल आउटफिट्स को रॉयल लुक देने में इन दोनों का बड़ा हाथ है।

फैशन डिजाइनर अबू जानी और संदीप खोसला की जोड़ी भी इस पर काफी डीप वर्क कर रही है। उनके तैयार किए गए ब्राइडल आउटफिट्स में आपको मिरर एंब्रॉयडरी और स्वरोस्की वर्क बखूबी देखने को मिलेगा। इसके साथ ही गोल्ड और सिल्वर थ्रेड वर्क भी इस वक्त काफी चलन में है। यह आउटफिट को हैवी लुक देता है मगर वास्तव में उनका वजन काफी कम होता है।

स्किन के हिसाब से ऐसे चुनें साड़ी का सही रंग, लगेंगी सबसे अलग

जब भी हम साड़ी खरीदने जाते हैं तो इसके लिए साड़ी डिजाइन और कलर का ध्यान रखते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी है कि हम स्किन टोन का भी ध्यान रखें। क्योंकि कई सारे कलर ऐसे होते हैं जो हर एक स्किन टोन पर सूट नहीं करते हैं। इसलिए जब भी साड़ी खरीदें तो इस बात का ध्यान रखना आपके लिए बेहद जरूरी है। इससे आपकी स्किन भी अच्छी रहेगी साथ ही आप खूबसूरत नजर आएंगी।

डार्क कलर साड़ी

अगर आप डार्क कलर साड़ी पहनना पसंद करती हैं तो ये बात आपके लिए जानना जरूरी है कि इस तरीके की साड़ी ब्राइट स्किन की लड़कियों पर काफी अच्छी लगती हैं। इसमें आप डार्क ब्लैक, ब्लू और ब्राउन शेड चूज कर सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें की आप चाहे तो बेज कलर वाली साड़ी भी स्टाइल कर सकती हैं। इसके लिए आपको ऑनलाइन और मार्केट दोनों में ऑप्शन मिल जाएंगे। साड़ी के अलग-अलग कलर आप डिफरेंट फैब्रिक के साथ वियर कर सकती हैं। इसमें आपको कई सारे अलग पैटर्न भी मिल जाएंगे।

डबल शेड साड़ी

कई सारी लड़कियां होती हैं जिन्हें डबल शेड साड़ी पहनना काफी पसंद होता है। लेकिन इस तरीके की साड़ी (साड़ी में दिखे लंबी) गेहूं कलर वाली लड़कियों पर अच्छी लगती हैं। इसमें दोनों कलर इक्वल होता है। इसलिए इसमे स्किन टोन न ही डार्क नजर आता है और न ही लाइट दिखाई देता है। ऐसे में अगर आपका स्किन टोन भी ऐसा है तो ये साड़ी कलर आपके लिए परफेक्ट हैं। इसमें आप दिखेंगी भी खूबसूरत और सबसे अलग नजर आएंगी।

कार्नर न्यूज

अपनी रोजमर्रा की आदतों में शामिल कर आप अपनी स्किन को बना सकते हैं जवां

मेंस स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाएं रखने उठाएं जरूरी कदम

भारतीय पुरुष आमतौर पर सजने-संवरने की बात बहुत ही हल्के में लेते हैं। वे शायद ही अपनी त्वचा पर कोई ध्यान देते हैं, और अगर कोई उन्हें कोई सुझाव दें तो उस पर भी वह कोई खास ध्यान नहीं देते हैं। यही कारण है कि उनकी इन आदतों की वजह से उनकी स्किन और बॉडी पूरी तरह बर्बाद हो रही है। अगर आप अपनी स्किन का अच्छे से ध्यान दें तो आप खुद में काफी बदलाव देखेंगे।

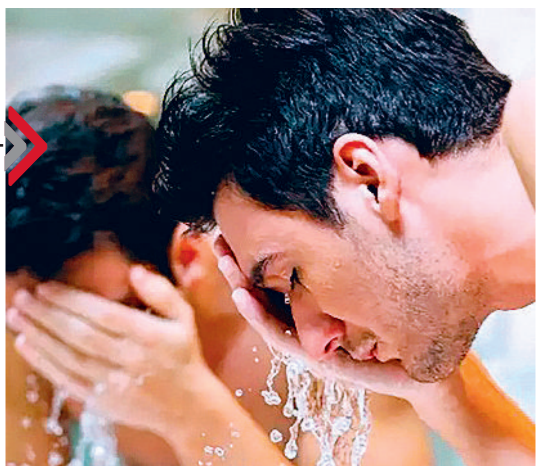

ढेर सारा पानी पीना

इस बात को आपने न जानें कितनी बार सुना होगा। सेलेब्स भी अपनी हेल्दी स्किन का सीक्रेट इस टैनिक को ही बताते हैं। वास्तव में इस आदत को अपनी दिनचर्या में लागू करेंगे तो रिजल्ट देखकर आप हैरान रह जाएंगेष आप जितना अधिक पानी पिएंगे, उतना ही यह आपकी त्वचा से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और उसे साफ करने में मदद मिलती है।

सही फेस स्क्रब का उपयोग करें

जैसा कि हम सब जानते हैं कि हर एक शख्स की अलग-अलग स्किन होती है। ऐसे में सही फेश वॉश और स्क्रब का चुनाव करना बहुत जरूरी है।फेस स्क्रब का उपयोग करने से आपकी त्वचा साफ दिखेगी और उसमें चमक आएगी। पूरे चेहरे पर एलोवेरा जेल का उपयोग करने से आप निश्चित रूप से साफ चमकदार त्वचा पा सकते हैं।

सनस्क्रीन का प्रयोग करें

भारत में कड़ी धूप होती है, इसलिए बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का उपयोग करना बहुत जरूरी है। त्वचा को धूप से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखने के लिए अच्छे एसपीएफ वाले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। लंबे समय तक धूप में रहने से बचें और यदि आप ऐसा करते भी हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप हर कुछ घंटों के बाद सनस्क्रीन दोबारा लगाएं।

अपनी त्वचा को दिन में कई बार मॉइस्चराइज करें

मॉइस्चराइजर का उपयोग निश्चित रूप से आपकी त्वचा को चमकदार और जवां बनाए रखने में मदद करेगा। दिन और रात में चेहरे को धोकर अच्छे से मॉइस्चराइजर को अप्लाई करें।

ताजी हरी सब्जियों का सेवन करें

अपनी त्वचा को अंदर से स्वस्थ बनाने के लिए ढेर सारे फलों और मेवों के साथ ताजी हरी सब्जियां खाएं। सब्जियों और फलों से भरपूर आहार लेने से त्वचा निश्चित रूप से चमक उठेगी। नमक आपके चेहरे को फूला हुआ बना देता है। नमक का सेवन न करें या यदि आप नमक नहीं छोड़ सकते हैं तो खाने में इसकी मात्रा को कम कर दें। बस ध्यान दें कि नमक कम ही लें।